गुस्ताखी माफ

कितने चालू लोग हैं, किस-किस का लें नाम।
बदबू यदि ना फैलती, कर जाते ये काम।
कर जाते ये काम, झिरी जब बरखा रानी।
कैमीकल से युक्त, सड़क पर छोड़ा पानी।
कह साहिल कविराय, बड़े हैं इनके फितने।
ली बारिश की आड़, लोग हैं चालू कितने।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 224 | SATURDAY 22-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट में हुआ सैलरी घोटाला

कंप्यूटर ऑपरेटर मिलीभगत कर ले रहे थे सीनियर सहायक की सैलरी, सरकारी खजाने को लगा लाखों रुपए चूना, अब होगी वसूली

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। फिरोजगांधी मार्केट में स्थित लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट में सैलरी घोटाला निकलकर सामने आया है। जिसमें कंप्यूटर ऑपरेटरों द्वारा हर महीने तय राशि से ज्यादा सैलरी अपने खातों में ट्रांसफर करवाई जा रही थी। चर्चा है कि उनकी तरफ से करीब पिछले 15 सालों से सीनियर सहायक की सैलरी ली जा रही थी। हैरानी की बात तो यह है कि इस संबंधी लोकल बॉडी विभाग, पंजाब सरकार को भी नहीं पता चला। यह ऑपरेटर इसी तरह गुपचुप तरीके से कई सालों से सैलरी लेते रहे। लेकिन अब अचानक जांच हुई तो इस घोटाले से पर्दा उठा। इस जांच के घेरे में आठ कंप्यूटर ऑपरेटर आए थे। लेकिन अभी तीन मुलाजिमों पर ही कार्रवाई की गई है। जिसमें कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप शर्मा, सुखदेव सिंह और तरनजीत सिंह शामिल है। जल्द बाकी मुलाजिमों की भी सैलरी कटौती होगी। लोकल गावर्नमेंट के प्रबंधक सेक्रेटरी घनश्याम थोरी ने इन मुलाजिमों से वसूली करने के आदेश जारी कर दिए हैं। अब ट्रस्ट के उच्च अधिकारियों द्वारा इनकी सैलरियों में कटौती करते हुए वसूली की जाएगी।

28010 रुपए मिलनी थी सैलरी

जानकारी के अनुसार उक्त आठों मुलाजिमों की भर्ती 2002 से लेकर 2013 के बीच हुई थी। सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक, लुधियाना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद का मूल वेतन 1,800-3,200 रुपए निर्धारित किया था। पंजाब सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 1998 लागू होने के बाद वेतन ढांचे में बदलाव हुआ। 5वें पंजाब वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत इसे 5,910-20,200 रुपए और 1,900 रुपए ग्रेड पे बढ़ाया गया। यानि कि कुल 28010 रुपए सैलरी की गई।

यह मुलाजिम लेते रहे इतनी सैलरी

सरकारी रिकॉर्ड मुताबिक कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप शर्मा 2002 में भर्ती हुए और सैलरी 49500 रुपए ले रहे हैं। इसी तरह तरनजीत सिंह और सुखदेव सिंह भी 2002 में भर्ती होकर सैलरी 49500 रुपए ले रहे हैं। इसके अलावा करतारपुर की आशा रानी 2012, पटियाला का शीतल 2011 और फरीदकोट का विनोद कुमार 2002 में भर्ती होकर 48300 रुपए सैलरी लेते रहे। इसी तरह मोगा की अमनदीप कौर 2013 और फगवाड़ा का विशाल मिश्रा 2012 में भर्ती होकर 28510 रुपए सैलरी ले रहे हैं।

क्या अधिकारी लेंगें एक्शन या दब जाएगा मामला

लोकल बॉडी विभाग द्वारा इस मामले में ट्रस्ट के अधिकारियों को मुलाजिमों की सैलरी कम करने और साथ ही पहले ली गई सैलरी वापिस सरकारी खजाने में डालने के आदेश दिए हैं। कार्रवाई पूरी कर रिपोर्ट भेजने को भी कहा है। ईओ हरिंदर सिंह ने मामले को अकाउंट्स ब्रांच को भेजकर संबंधित मुलाजिमों की पे स्केल की जांच करने के आदेश दिए हैं। लेकिन अब देखना होगा कि क्या सच में एक्शन होगा या मामला दबा दिया जाएगा।

मुलाजिमों ने कहा 25 साल बाद कम न करें सैलरी

वहीं लोकल गावर्नमेंट द्वारा इस मामले में एक्शन शुरू किया गया, तो सभी मुलाजिमों द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी गई। हाईकोर्ट द्वारा बिना नोटिस दिए सैलरी कम करने या रिकवरी न करने के आदेश दिए। जिसके बाद लोकल विभाग द्वारा सभी मुलाजिमों को पक्ष रखने को नोटिस जारी किया गया। इस दौरान संदीप शर्मा, सुखदेव सिंह और तरनजीत सिंह तीनों ने अपना एक ही पक्ष रखा कि 25 साल बाद उनकी सैलरी कम करना सही नहीं है।

हर महीने साढ़े 21 हजार रुपए ले रहे थे ज्यादा

जांच में सामने आया कि इन मुलाजिमों को जहां 28010 रुपए प्रति महीना सैलरी फिक्स की गई थी, लेकिन वे विभाग से 10300-34000-4400 कुल 49500 रुपए ले रहे थे। यानि कि 21490 रुपए ज्यादा लिए जा रहे थे। यह सैलरी करीब 15 सालों से इसी रकम के हिसाब से ली जा रही थी। यानि कि सरकार को हर महीने प्रति मुलाजिम लाखों रुपए का चुना लगाता रहा।

उच्च अफसरों की मिलीभगत की चर्चाएं

वहीं हैरानी की बात तो यह है कि सरकारी विभागों में एक-एक रुपए का हिसाब दस्तावेजी होता है। लेकिन फिर कैसे इतने साल तक यह मुलाजिम इतनी सैलरी लेते रहे। हर साल ऑडिट होता है, लेकिन ऑडिट अफसरों ने भी इस पर आखिर ध्यान क्यों नहीं दिया। चर्चा है कि इस पूरे घोटाले में उच्च अफसरों की मिलीभगत रही। इसी कारण मामला दबाया जाता रहा। लेकिन अब ईमानदार अफसर आने पर पर्दा उठ गया।

मुलाजिम का खुलासा, सीनियर सहायक की ले रहे सैलरी

वहीं विनोद कुमार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वे 2001 में कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती हुए थे। सुखदेव सिंह और तरनजीत सिंह उससे जूनियर है। लेकिन उनका सैलरी स्केल सीनियर सहायक का दिया जा रहा है, जबकि उनकी सैलरी कम है। जिसके चलते उनकी सैलरी बराबर की जाए। विनोद कुमार के इस जवाब से सवाल उठते हैं कि क्या सिफारिशों के जरिए इनकी सैलरी बढ़ी थी।

घोटाले करने के आरोप में गिरफ्तार हो चुका संदीप शर्मा

साल 2022 में लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट में ऋषि नगर स्थित प्लॉटों के आवंटन, अन्य प्लॉटों की ई-आक्शन के लिए रिश्वत लेने, चहेतों को अलाटमेंट कराने समेत कई आरोपों के तहत विजिलेंस की ओर से एफआईआर की गई थी। जिसमें पूर्व चेयरमैन रमन बाला सुब्रमण्यम, उसके पीए संदीप शर्मा, ईओ कुलजीत कौर, सेल्स क्लर्क प्रवीण कुमार, एसडीओ अंकित नारंग, जूनियर सहायक गगनदीप गोयल को नामजद किया था। विजिलेंस ने संदीप को गिरफ्तार भी किया था। हालांकि फिर वे कई दिन जेल रहने के बाद जमानत पर रिहा हुआ। हालांकि संदीप अभी भी ड्यूटी कर रहा है।

कई कंप्यूटर ऑपरेटरों की अफसरों से अच्छी सेटिंग

वहीं चर्चा है कि कई कंप्यूटर ऑपरेटरों की अफसरों के साथ अच्छी सेटिंग है। जिसके चलते ट्रस्ट ऑफिस में भी वे मनमर्जी से काम करते और आते जाते हैं। हालांकि कई मुलाजिम तो ज्यादातर समय ऑफिस से गायब ही रहते हैं। चर्चा है कि अफसरों से सेटिंग के चलते उन्हें कोई कुछ नहीं कहता। इसके अलावा कोई भी आरटीआई डालने पर उसका जवाब देने को मामला लटकाया जाता है। जल्द करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन कब्जाने के मामले की गलत जानकारी देने के मामले का खुलासा किया जाएगा।

एक्साइज विभाग अफसर पर हमला करने वाले को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा, परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। वीरवार को एक्साइज विभाग के एडिशनल कमिश्नर के ऑफिस में घुसकर पंकज मल्होत्रा द्वारा एडिशनल कमिश्नर अमित गोयल पर हमला कर दिया गया था। इस मामले में पंकज के खिलाफ मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर शुक्रवार अदालत में पेश किया गया। माननीय अदालत में पुलिस द्वारा आरोपी का रिमांड मांगा गया। इस दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत द्वारा पंकज मल्होत्रा को ज्यूडिशियल कस्टडी में जेल भेज दिया है। हालांकि इस मामले संबंधी पंकज मल्होत्रा के एडवोकेट हरजोत सिंह ने बताया कि पंकज मल्होत्रा पर मारपीट के आरोप में मामला दर्ज हुआ है। जहां घटना हुई, वहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष से सीसीटीवी फुटेज मांगी गई, लेकिन वे मुहैया नहीं करवा सका।

गलत तरीके से शराब के ठेके खुलवाने का आरोप...वहीं पंकज मल्होत्रा के परिवार द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उनका कहना है कि एडिशनल कमिश्नर अमित गोयल द्वारा गलत तरीके से शहर में शराब के ठेके खुलवाए जा रहे हैं। जिस संबंधी पंकज मल्होत्रा द्वारा आवाज उठाई जा रही थी। इसके लिए आरटीआई डालकर जवाब भी मांगा गया था। लेकिन विभाग द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया।

बहाने से बुलाया ऑफिस, ठेकेदार भी बुला रखे थे...पंकज मल्होत्रा के परिवार का आरोप है कि उन्हें एक्साइज विभाग के मुलाजिमों द्वारा खुद जानकारी देने के बहाने ऑफिस बुलाया गया। जहां पहुंचने पर पहले ही वे शराब ठेकेदार मौजूद थे, जिनके खिलाफ पंकज गलत तरीके से अफसर साथ मिलकर ठेके खुलवाने की शिकायतें दी थी। वहां पर पंकज के साथ मारपीट की गई, लेकिन उल्ट उस पर ही मारपीट के आरोप लगा दिए गए। लेकिन माननीय अदालत में सबूत जरुरी है। जल्द मामले का सच सामने आएगा।

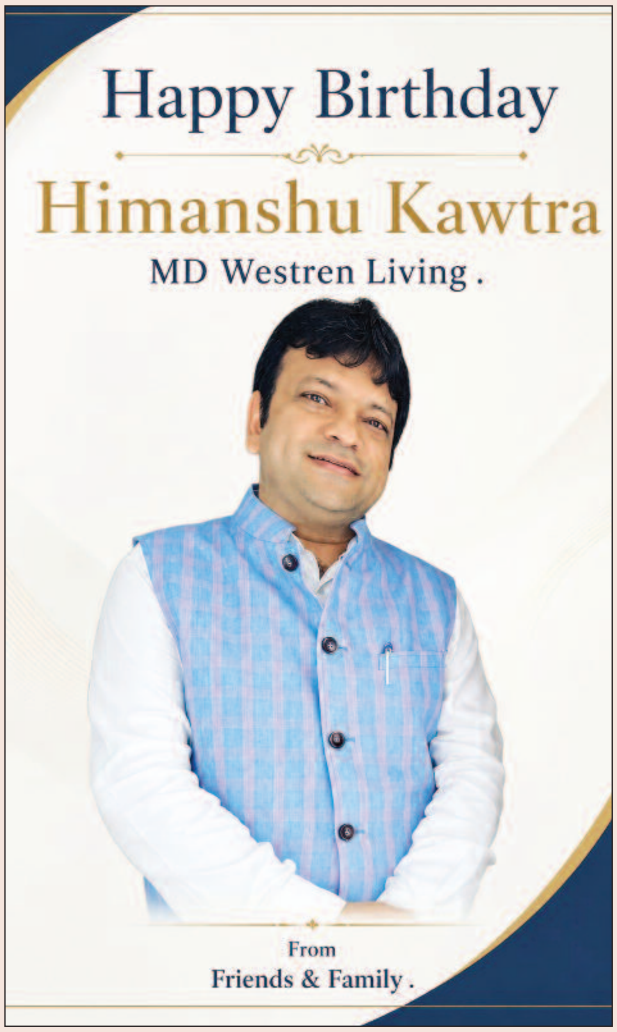

रंगदारी की परछाईं या कारोबारियों को खुली चुनौती? जीरकपुर में बिल्डर के ऑफिस पर दिनदहाड़े फायरिंग

एक साल पहले पांच करोड़ की फिरौती मांगने का दावा, कार्रवाई न होने का आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/21 अगस्त। ट्राईसिटी में रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े लोगों की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। शुक्रवार सुबह जीरकपुर के सिंघपुरा रोड स्थित एक बिल्डर के सेल्स ऑफिस पर हुई फायरिंग की घटना ने न केवल पुलिस व्यवस्था बल्कि कारोबारियों में बढ़ती असुरक्षा की भावना को भी उजागर कर दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला रंगदारी और धमकियों से जोडकर देखा जा रहा है, क्योंकि पीड़ित बिल्डर ने दावा किया है कि उसे पहले भी करोड़ों रुपये की फिरौती मांगने वाली कॉल आ चुकी हैं।

घटना सुबह करीब 11 बजे की है। सिंघपुरा रोड स्थित प्रोजेक्ट रजेरो ऐलीना के सेल्स ऑफिस के बाहर मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश युवक पहुंचे। एक युवक बाइक पर बैठा रहा, जबकि दूसरा ऑफिस के गेट तक आया और लगातार तीन राउंड फायरिंग कर दी। गोलियां सेल्स ऑफिस के एंट्री गेट पर लगीं। फायरिंग के बाद दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर सिंघपुरा चौक की ओर फरार हो गए।

बिल्डर अमित दुआ

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात...फायरिंग की पूरी घटना ऑफिस के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। फुटेज में हमलावरों की गतिविधियां कैद होने के बाद पुलिस को जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। घटना के समय बिल्डर अमित दुआ स्वयं ऑफिस में मौजूद थे। अचानक चली गोलियों की आवाज से कर्मचारियों में दहशत फैल गई और कुछ समय के लिए पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुरानी धमकियों से जुड़ रही जांच की कड़ियां...बिल्डर अमित दुआ ने दावा किया है कि करीब एक वर्ष पहले उन्हें पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के लिए फोन आया था। उन्होंने उस समय जीरकपुर पुलिस को लिखित शिकायत भी दी थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। दुआ का आरोप है कि इसके बाद भी उन्हें समय-समय पर धमकी भरे फोन आते रहे। ऐसे में उन्हें आशंका है कि फायरिंग का मकसद उन्हें डराना और दबाव बनाना हो सकता है।

रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ी चिंता...घटना के बाद रियल एस्टेट कारोबारियों में भी चिंता का माहौल है। दिनदहाड़े एक व्यस्त इलाके में स्थित सेल्स ऑफिस को निशाना बनाए जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि यदि पहले मिली धमकियों की गंभीरता से जांच होती तो शायद ऐसी घटना टाली जा सकती थी।

पुलिस कई पहलुओं पर कर रही जांच...घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस हमलावरों की पहचान, उनके भागने के रूट और संभावित मकसद का पता लगाने में जुटी है। यह भी जांच की जा रही है कि फायरिंग केवल धमकाने के लिए की गई या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी।

बदल रहे मौसम में बढा स्वाइन फ्लू का खतरा

अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के लक्षणों वाले मरीजों की संख्या बढी

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 21 अगस्त। मानसून के मौसम में बारिश और उमस के साथ कई तरह के वायरल संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। जिसमें बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द और शरीर में दर्द जैसी शिकायतें आम सामने आती है। कई बार लोग इन लक्षणों को सामान्य वायरल फीवर समझकर घर पर ही इलाज शुरू कर देते हैं।

लेकिन कुछ मामलों में यही लक्षण H1N1 फ्लू यानी स्वाइन फ्लू के भी हो सकते हैं। H1N1 को हर बार गंभीर बीमारी समझने की जरूरत नहीं है, लेकिन इसके लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी ठीक नहीं है। खासकर अगर बुखार और खांसी के साथ सांस लेने में परेशानी या बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस हो रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी हो जाता है। अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के लक्षणों वाले मरीजों की भर्ती इन दोनों बढ़ गई है परंतु अधिकतर में वायरल डिटेक्ट हो रहा है विशेषज्ञों का कहना है कि स्वाइन फ्लू के लक्षण भी नजला जुकाम खांसी जैसे होते हैं इसलिए शुरूआती चरणों में इसका पता नहीं चलता कि यह स्वाइन फ्लू है या वायरल फिर भी इससे सावधानी जरूरी है।

स्वाइन फ्लू और सामान्य वायरल फीवर में फर्क समझना मुश्किल

स्वाइन फ्लू के शुरूआती लक्षण सामान्य फ्लू और दूसरे वायरल संक्रमणों से काफी मिलते-जुलते हो सकते हैं। तेज बुखार, ठंड लगना, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, सिरदर्द और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां दोनों ही स्थितियों में दिखाई दे सकती हैं। इसलिए केवल लक्षण देखकर यह तय करना आसान नहीं होता कि किसी व्यक्ति को सामान्य वायरल फीवर है या H1N1 संक्रमण। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर मरीज की स्थिति और लक्षणों को देखते हुए जांच की सलाह दे सकते हैं।

स्वाइन फ्लु के क्या है लक्षण

H1N1 फ्लू होने पर कई लोगों में अचानक बुखार आने के साथ बीमारी के दूसरे लक्षण शुरू हो सकते हैं। इसमें ठंड लगना, लगातार खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना या नाक से पानी आना शामिल है। इसके अलावा सिरदर्द, मांसपेशियों और शरीर में दर्द, थकान और कमजोरी भी महसूस हो सकती है। कुछ बच्चों में फ्लू के दौरान उल्टी या दस्त जैसी शिकायतें भी हो सकती हैं। हर व्यक्ति में सभी लक्षण दिखाई दें, यह जरूरी नहीं है। कुछ लोगों में बीमारी हल्की रह सकती है, जबकि कुछ लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कब करें विशेषज्ञ से संपर्क

अगर बुखार और खांसी जैसे लक्षण हल्के हैं और धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं, तब भी अपनी स्थिति पर नजर रखना जरूरी है। परंतु सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, बहुत ज्यादा कमजोरी या हालत लगातार बिगड़ने जैसे संकेत दिखाई दें तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए। बच्चों में भी सांस लेने में दिक्कत, असामान्य सुस्ती, पानी की कमी के संकेत या लगातार बिगड़ती हालत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खास तौर पर उन लोगों को लक्षण आने पर जल्द चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए, जिन्हें पहले से कोई गंभीर बीमारी है या जिनमें फ्लू से जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है।

किन लोगों को अधिक खतरा

H1N1 संक्रमण किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में इसके गंभीर होने का जोखिम अपेक्षाकृत अधिक रहता है। इनमें 5 साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा डायबिटीज, हृदय रोग, अस्थमा, COPD या किडनी जैसी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भी फ्लू के लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों को स्वाइन फ्लू व अन्य वायरल फीवर का अधिक खतरा रहता है

स्वाइन फ्लू से बचने के लिए क्या करें

हाथों को नियमित रूप से साबुन और पानी से धोना जरूरी है। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकें और बीमार व्यक्ति के बहुत करीब जाने से बचें। अगर आप बीमार हैं तो दूसरों के संपर्क को कम रखना भी जरूरी है, ताकि संक्रमण आगे न फैले। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जरूरत के मुताबिक मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके साथ पर्याप्त आराम, पानी और पौष्टिक भोजन लेना शरीर को बीमारी से उबरने में मदद कर सकता है। हालांकि, केवल घरेलू उपायों के भरोसे गंभीर लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वायरल फीवर समझकर न करें लापरवाही बुखार और खांसी होने का मतलब हर बार H1N1 नहीं होता। कई दूसरे वायरल संक्रमणों में भी ऐसे ही लक्षण हो सकते हैं। इसलिए बिना जांच के खुद से यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है कि बुखार सामान्य है या ल्१ठ१। सबसे जरूरी बात यह है कि लक्षणों की गंभीरता पर ध्यान दिया जाए। अगर बुखार, खांसी और शरीर में दर्द के साथ सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या हालत बिगड़ने जैसे संकेत नजर आएं, तो डॉक्टर से संपर्क करने में देरी नहीं करनी चाहिए। समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने से संभावित जटिलताओं का जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

पेज 06 श्री दुर्गा मंदिर में शिव महापुराण कथा के...

लोन दिलाने की एवज में एजेंट ने महिला का खुलवाया खाता, फिर सट्टे की पेमेंट की ट्रांजेक्शन कर की ठगी, चार महीने से नहीं हुई सुनवाई

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। लोन दिलाने की एवज में एक बैंक के एजेंट युवक ने एक महिला के साथ करीब तीन लाख रुपए की ठगी मार ली। यहां तक कि उसका बैंक खाता खुलवाकर उसमें से सट्टेबाजी की पेमेंट की 22 लाख रुपए की ट्रांजेक्शन तक कर डाली। पीड़ित महिला ने इस संबंधी पुलिस कमिश्नर और विजिलेंस को शिकायत दी। लेकिन चार महीने बाद भी सुनवाई नहीं हो सकी। पीड़िता द्वारा कर्ज लेकर युवक को तीन लाख रुपए दिए गए थे। लेकिन न तो उसने लोन दिलाया और न ही पेमेंट वापिस की। उल्ट सट्टे की ट्रांजेक्शन करने पर पुलिस द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने स्क्रैप का कारोबार करना था। जिसके चलते उसे पैसों की जरुरत थी। एक जानकार के जरिए उसकी मुलाकात मनी नामक युवक से हुई। वे खुद को गिल रोड स्थित एक्सीस बैंक ब्रांच का मुलाजिम बताता था। उसने शिकायतकर्ता से कहा कि वे उसे लोन दिला देगा। जिसके लिए उसने फर्म का करंट बैंक अकाउंट और जीएसटी लेने की बात कही। जिसके चलते शिकायतकर्ता ने एक्सिस बैंक में अपनी फर्म एस.आर. ट्रेडिंग के नाम से खाता खुलवा लिया। जिसकी एवज में युवक द्वारा 13 हजार रुपए लिए गए।

चैक बुक और सिम लेकर की गलत ट्रांजेक्शन

शिकायतकर्ता के अनुसार मनी द्वारा उसके खाते की चैक बुक ले ली गई। वहीं उसने कहा कि लोन के लिए कई बार ओटीपी आएगा, इसके लिए उसने शिकायतकर्ता का सिम कार्ड भी ले लिया। जिसके बाद उसने उक्त खाते से करीब 22 लाख रुपए की गलत ट्रांजेक्शन कर दी। जिसके बाद बैंक की तरफ से उक्त खाते को फ्रीज कर दिया गया। फिर जाकर शिकायतकर्ता को ठगी का पता चला। शिकायतकर्ता के अनुसार उसका मोबाइल और सिम भी उक्त युवक के पास है, जो वापिस भी नहीं कर रहा। अब उसकी और से अज्ञात लोगों के जरिए कॉल करवाकर शिकायतकर्ता को धमकियां दी जा रही है।

विजिलेंस में भी नहीं हुई सुनवाई

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसने इस संबंधी एक अप्रैल 2026 को विजिलेंस ऑफिस में शिकायत दी थी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि युवक द्वारा धमकियां दी जा रही है कि उसकी ऊपर तक पहुंच है और अगर उसके खिलाफ शिकायत दी तो इसके नतीजे गलत होंगे। पीड़िता का कहना है कि उसने पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। जिसे जांच के लिए एसीपी इंडस्ट्रियल एरिया-बी के पास भेजा गया। लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई।

क्रिकेट सट्टेबाजी में की ट्रांजेक्शन

शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त युवक द्वारा क्रिकेट सट्टेबाजी में उसके खाते का इस्तेमाल किया गया है। उनकी तरफ से सट्टा लगाया गया और उसकी सारी पेमेंट उसके खाते में डालकर फिर आगे ट्रांजेक्शन कर दी गई। पीड़िता अनुसार जांच के दौरान पता चला है कि दूसरी स्टेट में यह सट्टेबाजी का कारोबार चल रहा था। वहां पुलिस द्वारा एक्शन लेने पर उनका खाता भी फ्रीज कर दिया गया।

PPS रूपिंदर कौर भट्टी ने संभाला एडीसीपी इन्वेस्टिगेशन का चार्ज, बड़े क्राइम और साइबर ठगी के केसों को कर चुकी हैं हल

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। पंजाब पुलिस में बड़े क्रिमिनल केसों और साइबर ठगी के मामलों को हल करने में अहम भूमिका निभाने वाली महिला अफसर पीपीएस रूपिंदर कौर भट्टी की नई पोस्टिंग लुधियाना में हो चुकी है। उनकी तरफ से एडीसीपी इन्वेस्टिगेशन और ईओ विंग का चार्ज संभाल लिया गया है। बता दें कि इससे पहले भी एडीसीपी मैडम एसपी, काउंटर इंटेलिजेंस लुधियाना के पद पर तैनात थीं। जानकारी के अनुसार पीपीएस रूपिंदर कौर भट्टी पहले भी लुधियाना में एडीसीपी साइबर क्राइम, इन्वेस्टिगेशन समेत अलग अलग पदों पर रह चुकी हैं। अपनी पोस्टिंग के दौरान उनकी तरफ से कई बड़े अपराधिक और साइबर ठगी के मामलों को हल किया। वहीं शहर के बहुचर्चित ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्राड मामले को भी एडीसीपी भट्टी द्वारा ही हल किया गया था। दरअसल, फिरोजगांधी मार्केट में वर्धमान कमोडिटीज एंड सिक्योरिटीज नाम से ऑफिस चला रहे अनिल जैन, जतिन जैन, गगनदीप सिंह, करमजीत कौर और सनी कुमार द्वारा वी-ट्रेड नाम से ऐप चला ऑनलाइन ठगी की जा रही थी। उन्होंने लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की थी। इस मामले को एडीसीपी भट्टी द्वारा ट्रेस कर भारी मात्रा में कैश, लग्जरी कारें व प्रॉपर्टियां भी बरामद की थी। ऐसे में उनकी दोबारा नियुक्ति के बाद बड़े केसों को सॉल्व करने में सहायता मिलेगी।

चीनी हुई 'आउट ऑफ कंट्रोल'! हर दिन बढ़ रहे दाम, त्योहारी सीजन से पहले बड़ी टेंशन

शैफाली

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। चीनी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रोजाना बढ़ रही कीमतों ने कारोबारियों के साथ-साथ आम लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले चीनी की कीमतों में रिकॉर्ड तोड़ तेजी देखने को मिल रही है। इसी बीच केंद्र सरकार ने कीमतों पर लगाम लगाने और बाजार में पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने के लिए चीनी की स्टॉक लिमिट को लेकर सख्ती कर दी है।

सरकार के नए आदेश के मुताबिक, हर महीने 10 मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी की खपत करने वाले थोक उपभोक्ता अब 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। यह नियम 1 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगा। इससे पहले जुलाई में सरकार ने डीलरों के लिए चीनी का स्टॉक 30 दिनों तक सीमित किया था। सरकार का कहना है कि स्टॉक लिमिट का उद्देश्य जमाखोरी रोकना और बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। अब बड़ा सवाल यह है कि सरकार के नए 15 दिन की स्टॉक लिमिट और ड्यूटी-फ्री आयात जैसे कदमों से चीनी के लगातार बढ़ते दामों पर कितना असर पड़ेगा।

महिलाओं का रसोई बजट बिगड़ा

कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री आयात को मंजूरी

सरकार ने 10 लाख टन कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री आयात को भी मंजूरी दी है। साथ ही चीनी मिलों में स्टॉक का फिजिकल वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के मुताबिक, चीनी की कीमतों में तेजी के पीछे घरेलू उत्पादन में कमी, त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग, मौसम के कारण गन्ने की फसल को नुकसान, वैश्विक स्तर पर कम आपूर्ति और कुछ वर्गों द्वारा जमाखोरी व सट्टेबाजी जैसे कारण हैं।

सप्लाई चेन सामान्य, कीमतों में उछाल

20 अगस्त को खुदरा चीनी की कीमत 55.70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई, जबकि 20 जुलाई को यह 48.18 रुपए प्रति किलो थी। मौजूदा सीजन में चीनी उत्पादन करीब 30.6 मिलियन टन रहने का अनुमान है, जो राज्यों के शुरुआती अनुमान 34.3 मिलियन टन से कम है। हालांकि, लुधियाना के कारोबारियों का कहना है कि बाजार में सप्लाई चेन सामान्य है, लेकिन कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

एक महीने में 14 रुपए बढ़े दाम

जवाहर कैंप स्थित क्वालिटी स्टोर के कारोबारी इंदरपाल सिंह ने बताया कि चीनी की कीमत एक महीने में बढ़कर 64 रुपए तक पहुंच गई है। यानी करीब 14 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि चीनी के रेट लगातार बढ़ रहे हैं। उनके मुताबिक, कुछ समय के लिए रेट स्थिर रहेंगे, लेकिन उसके बाद फिर कीमतें बढ़ सकती हैं। इंदरपाल सिंह ने बताया कि धर्मपुर शुगर का 5 किलो पैक अब 69 रुपए का है, जिसमें पहले की तुलना में 2 व 3 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

पहली बार इतने बढ़े दाम

कारोबारी इंदरपाल सिंह ने कहा कि यह पहली बार है जब चीनी इतनी महंगी हुई है। उनके मुताबिक, इससे पहले चीनी का रिकॉर्ड 50 रुपए था। रेट 40, 42, 45 और अधिकतम 50 रुपए तक ही रहे हैं। स्टॉक लिमिट को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि रेट अभी भी लगातार बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

राखी तक 100 रुपए तक पहुंचेगी चीनी, आटा-तेल भी महंगा

मोती नगर के करियाना कारोबारी बसंत सिंह ने कहा कि आटा, सरसों का तेल और चीनी समेत हर चीज के दाम बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके यहां खुली चीनी का रेट 70 रुपए प्रति किलो है। ऑनलाइन बाजारों में भी कुछ ब्रांडेड चीनी 75 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जबकि पहले इसके दाम कम थे। उनके मुताबिक, 15 दिनों में चीनी का रेट 45 रुपए से बढ़कर 70 रुपए प्रति किलो हो गया है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन के चलते कीमतों में और बढ़ोतरी की संभावना है। उन्होंने कहा कि सप्लाई चेन सही है, लेकिन रेट में काफी बढ़ोतरी हुई है। आने वाली राखी के सीजन में चीनी का रेट 80 से 100 रुपए प्रति किलो तक पहुंचने की संभावना है।

लोगों का रसोई बजट बिगड़ा

मनी राम बलवंत राय स्टोर के विनीत ने कहा कि करियाना सामान के लगातार दाम बढ़ रहे हैं। इससे लोगों का रसोई का बजट बिगड़ चुका है। हालांकि हमारा प्रयास रहता है कि लोगों को कम से कम दाम देकर सुविधा दी जा सके। लेकिन केंद्र सरकार को इन बढ़ते रेट पर कंट्रोल करने की जरुरत है। जनता को इसे संभालना मुश्किल हो रहा है।

एयरोसिटी हादसा: चार पर केस, गमाडा जांचेगा बिल्डिंग परमिशन और बायलॉज

दो मजदूरों की मौत के बाद प्रशासन सख्त, सुरक्षा मानकों और निर्माण नियमों की भी होगी जांच

मोहाली/यूटर्न/21 अगस्त। एयरोसिटी ए-ब्लॉक में निमार्णाधीन निजी अस्पताल की साइट पर मिट्टी ढहने से दो मजदूरों की मौत के मामले में जिला प्रशासन ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने पुलिस और ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) को अलग-अलग जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में कथित लापरवाही सामने आने के बाद साइट मैनेजर हरिंदर सिंह, लेबर मैनेजर राम बाबू, प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश चौहान और संबंधित कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। डीएसपी सिटी-2 हरसिमरन सिंह बल के अनुसार आरोपी फिलहाल फरार हैं। डीसी ने गमाडा को निमार्णाधीन अस्पताल के लिए जारी बिल्डिंग परमिशन, स्वीकृत नक्शे और निर्माण नियमों की जांच करने को कहा है। यह भी देखा

जाएगा कि साइट पर बिल्डिंग बायलॉज या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन तो नहीं किया गया। गमाडा जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपेगा, जिसके बाद नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हादसा वीरवार रात करीब साढ़े आठ बजे हुआ था। निर्माण स्थल पर साइड वॉल के साथ लगी मिट्टी का बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया, जिसकी चपेट में चार मजदूर आ गए। उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी उदयवीर और ओमिंदर की मिट्टी के नीचे दबने से मौत हो गई। अनुज घायल हो गया, जबकि अमरपाल सुरक्षित बाहर निकल आया। मजदूरों का आरोप है कि हादसे वाली जगह के पास भारी वाहन खड़ा किए जाने के कारण मिट्टी खिसकी। प्रशासन अब इसकी तकनीकी जांच भी करवाएगा कि खुदाई के दौरान जरूरी शोरिंग, सुरक्षा घेरा और अन्य इंतजाम किए गए थे या नहीं। प्रोजेक्ट को ईलाइट मेडिसिटी बताया जा रहा है, जिसके निदेशक मनुज वाधवा और अधिराज वाधवा बताए गए हैं। मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों ने प्रोजेक्ट संचालकों सहित सभी जिम्मेदार पक्षों की भूमिका की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर सख्ती: 7 ऑटो के चालान, 4 जब्त

क्षमता से अधिक बच्चे बैठाने वालों पर पंचकूला ट्रैफिक पुलिस का विशेष अभियान

कपिल नागपाल,

पंचकूला/यूटर्न/21 अगस्त। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पंचकूला पुलिस ने ओवरलोड ऑटो के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन ने ट्रैफिक पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता न किया जाए और क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सेक्टर-21 स्थित सरकारी स्कूल के पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। सिटी ट्रैफिक थाना प्रभारी एसएचओ वरिंदर सिंह की मौजूदगी में पुलिस टीम ने स्कूल से बच्चों को लेकर जा रहे ऑटो की जांच की। अभियान के दौरान क्षमता से अधिक बच्चे बैठाने पर 7 ऑटो के चालान किए गए, जबकि गंभीर नियम उल्लंघन पाए जाने पर 4 ऑटो को इंपाउंड कर सेक्टर-21 पुलिस चौकी में खड़ा करवाया गया। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने कहा कि स्कूली बच्चों को लेकर चलने वाले वाहनों की नियमित जांच जारी रहेगी। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि बच्चों को भेजते समय ऑटो की स्थिति और उसमें बैठे बच्चों की संख्या जरूर देखें।

पंजाब बंद के दौरान मोहाली में लोगों की बढ़ी परेशानी

फेज-7 में मुख्य लाइटों पर प्रदर्शनकारियों ने लगाया जाम, राहगीरों से हुई बहस; बसें नहीं चलीं तो पैदल गंतव्य तक पहुंचे लोग

मोहाली/यूटर्न/21 अगस्त। बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से शुक्रवार को दिए गए पंजाब बंद के आह्वान का मोहाली में भी असर देखने को मिला। सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक शहर के कई हिस्सों में बाजार बंद रहे और विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने रास्ते रोककर यातायात प्रभावित किया। बंद का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ा, जिन्हें नौकरी, कारोबार और अन्य जरूरी कामों के लिए घर से निकलना पड़ा। सरकारी और निजी संस्थानों में काम करने वाले कई कर्मचारी समय पर अपने कार्यालय नहीं पहुंच सके, जबकि कुछ लोग रास्ते में ही फंस गए।

शापिंग स्ट्रीट समेत कई बाजारों में दुकानें बंद रहीं, हालांकि कुछ निजी मॉल और अन्य बाजारों में दुकानें खुली दिखाई दीं। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को आने-जाने की छूट दी। दूसरी ओर, बसों का संचालन प्रभावित होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी हुई। महिलाओं और बुजुर्गों समेत कई यात्रियों को सामान लेकर पैदल ही आगे बढ़ना पड़ा।

फेज-7 की मुख्य लाइटों पर जाम, राहगीरों से हुई बहस

फेज-7 की मुख्य लाइटों पर प्रदर्शनकारियों ने रास्ता रोककर जाम लगाया। इस दौरान राहगीरों और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार बहस की स्थिति बनी। पुलिस वाहनों को रोकने को लेकर भी विवाद हुआ। प्रदर्शनकारियों में कुछ लोग हाथों में तलवारें और डंडे लिए नजर आए और रास्ता पार करने की कोशिश कर रहे वाहन चालकों से बहस करते दिखाई दिए। कुछ कार चालक प्रदर्शनकारियों के सामने हाथ जोड़कर रास्ता देने की अपील करते नजर आए।

एयरपोर्ट रोड और बलौंगी में भी रास्ते प्रभावित

बंद के दौरान एयरपोर्ट रोड पर गोपाल जंक्शन और चीमा लाइट प्वाइंट के पास पुल पर प्रदर्शनकारियों ने रास्ता बंद किया। वहीं खरड़-बलौंगी फ्लाईओवर पर देसू माजरा जंक्शन और बलौंगी के पास भी रास्ता रोके जाने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर जाम लगने के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा।

निजी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को सबसे ज्यादा परेशानी

कौमी इंसाफ मोर्चा के पंजाब बंद के कारण निजी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। सुबह कार्यालय जाने के समय रास्ते बंद होने से कई कर्मचारी समय पर दफ्तर नहीं पहुंच पाए। कुछ कर्मचारी रास्ते में ही वाहनों में फंसे रहे, जबकि कई लोगों को वाहन छोड़कर पैदल जाना पड़ा। कर्मचारियों का कहना था कि बंद के कारण उनका पूरा दिन प्रभावित हुआ और कार्यालय पहुंचने में काफी देरी हुई।

जिला पुलिस रही पूरी तरह मुस्तैद

बंद के आह्वान को देखते हुए जिला पुलिस पूरे शहर में मुस्तैद रही। एयरपोर्ट रोड से लेकर प्रमुख बाजारों, चौकों और जंक्शनों तक पुलिस कर्मचारी तैनात दिखाई दिए। पुलिस ने संवेदनशील स्थानों पर स्थिति पर नजर रखी और यातायात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बंद के दौरान लोगों की परेशानी को देखते हुए पुलिसकर्मी कई स्थानों पर मौके पर मौजूद रहे।

पेज 12 यमन और सोमालिया के पास हाईजैक हुए दो...

'मेरी यात्रा में कोई लिफ्ट नहीं थी, सीढ़ियां चढ़कर यहां तक पहुंचा': सीएम सैनी ने युवाओं से किया सीधा संवाद

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अगस्त। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित 'जेन-एच युवा उद्यमी चौपाल' में युवाओं से खुलकर संवाद किया। स्टार्टअप, नौकरी, राजनीति, खेल, तकनीक, नशे और परिवार से जुड़े सवालों पर मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'जेन-एच' को नया नाम देते हुए कहा, 'मैं इसे जेन-एचबी कहूंगा यानी हरियाणा-भारत की हार्टबीट।' कार्यक्रम को 4,000 से अधिक संस्थानों में लाइव देखा गया। सैनी ने राजनीति में अपने सफर का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी यात्रा में कोई लिफ्ट नहीं थी, बल्कि मेहनत की सीढ़ियां थीं। उन्होंने बताया कि 2009 में चुनाव हारने के बाद भी उन्होंने हार को अपनी पहचान नहीं बनने दिया और अगले ही दिन लोगों के बीच लौट गए। इसी मेहनत का नतीजा रहा कि 2014 में उन्होंने बड़े अंतर से चुनाव जीता।

कंप्यूटर ऑपरेटर से मुख्यमंत्री बनने के सफर का जिक्र करते हुए सैनी ने बताया कि 1996 में भाजपा कार्यालय में कंप्यूटर चलाते समय उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने युवाओं को सीखते रहने और नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। युवाओं के स्टार्टअप को लेकर उन्होंने कहा कि हरियाणा में अब करीब 12,500 स्टार्टअप और 17 यूनिकॉर्न हैं। सरकार स्टार्टअप नीति, इनक्यूबेशन सेंटर और आसान ऋण के जरिए युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर दे रही है।

खेलों पर मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में हजारों खेल नर्सरियां, 25 आवासीय खेल अकादमियां और खिलाड़ियों के लिए छात्रवृत्ति व डाइट मनी की व्यवस्था है। पिछले 12 वर्षों में करीब 18 हजार पदक विजेता खिलाड़ियों को 742 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार दिए गए हैं। युवाओं को संदेश देते हुए सैनी ने कहा कि असफलता को अपनी पहचान न बनने दें। काम को पहचान बनाएं और सफलता के लिए मेहनत, धैर्य व निरंतरता को अपनी ताकत बनाएं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और लक्ष्य हासिल करने का 'नशा' करने की अपील भी की।

अवैध शराब बेचने वाला गिरफ्तार, 143 क्वार्टर शराब और एक्टिवा बरामद

गुलाबगढ़ में नाकाबंदी के दौरान एक्साइज विभाग और पुलिस की कार्रवाई

डेराबस्सी/यूटर्न/21 अगस्त। एक्साइज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने गांव गुलाबगढ़ में नाकाबंदी के दौरान चंडीगढ़ से शराब लाकर कथित रूप से अवैध बिक्री करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहन सिंह पुत्र गुरनाम सिंह, निवासी गुलाबगढ़ के रूप में हुई है। टीम ने उसके कब्जे से चंडीगढ़ में बिक्री के लिए निर्धारित 143 क्वार्टर शराब और एक एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है।

एक्साइज इंस्पेक्टर गुरिंदरपाल सिंह, सर्कल डेराबस्सी ने बताया कि वह एएसआई जगदेव सिंह और सीनियर कांस्टेबल सतनाम सिंह के

साथ इलाके में गश्त पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि मोहन सिंह चंडीगढ़ से कम कीमत पर शराब लाकर गुलाबगढ़ क्षेत्र में बेचता है।

सूचना के आधार पर गांव गुलाबगढ़ में नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक्टिवा नंबर पीबी-65-एजे-2823 पर आ रहे युवक को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस टीम को देखकर उसने एक्टिवा वापस मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उसे काबू कर लिया। तलाशी लेने पर एक्टिवा के आगे रखे प्लास्टिक बैग से 143 क्वार्टर शराब बरामद हुई। आरोपी मौके पर शराब रखने या बेचने से संबंधित कोई लाइसेंस अथवा परमिट पेश नहीं कर सका। विभाग की ओर से कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

वार्ड-29 में आवारा कुत्तों का आतंक, युवक को काटकर किया घायल

इलाका निवासियों ने नगर निगम से कार्रवाई की मांग की

जीरकपुर/यूटर्न/21 अगस्त। वार्ड नंबर 29 के गुरदेव नगर, प्रभात क्षेत्र में शुक्रवार सुबह आवारा कुत्तों के हमले में एक युवक घायल हो गया। घायल युवक की पहचान जसप्रीत सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है।

स्थानीय लोगों के अनुसार जसप्रीत सिंह अपने घर के पास खड़ा था। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में उसकी टांग पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह कुत्तों को भगाकर युवक को बचाया और उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि गुरदेव नगर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस संबंध में नगर निगम को पहले भी कई बार शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। लोगों का

कहना है कि बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलते समय विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। गुरदेव नगर के निवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि इलाके में आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए तत्काल अभियान चलाया जाए और नसबंदी व अन्य जरूरी कदम उठाकर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

डॉक्यूमेंट्री नहीं, पंजाब का रिपोर्ट कार्ड जारी करे मान सरकार: प्रो. ख्याला

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यूटर्न/21 अगस्त। पंजाब भाजपा प्रवक्ता एवं सिख चिंतक प्रो. सरचंद सिंह ख्याला ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की जीवनी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री "From Satoj to Parliament (सतौज से संसद)' को 2027 विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया राजनीतिक प्रचार करार दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता को प्रचार फिल्म नहीं, बल्कि सरकार के साढ़े चार साल के शासन का वास्तविक रिपोर्ट कार्ड चाहिए।

बेरोजगारी, नशे और कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

प्रो. ख्याला ने सवाल किया कि क्या केवल मुख्यमंत्री की भावनात्मक जीवन-कथा से सरकार के प्रदर्शन का आकलन किया जा सकता है। उन्होंने बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, नशे, गैंगस्टरवाद, फिरौती, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और उद्योगों के पलायन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार के साढ़े चार साल बाद भी स्पष्ट कृषि, औद्योगिक, खनन और खेल नीति नजर नहीं आती। युवाओं के रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने और निवेश के बाहर जाने पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

खुली बहस की दी चुनौती

प्रो. ख्याला ने कहा कि यदि सरकार को अपनी उपलब्धियों पर भरोसा है तो महंगी डॉक्यूमेंट्री और प्रचार के बजाय पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर खुली सार्वजनिक बहस करवाई जाए। उन्होंने कहा कि पंजाब का फैसला कैमरे की स्क्रिप्ट नहीं, बल्कि जनता की अदालत करेगी।

आठ साल से अधूरा आयुष अस्पताल, संधू ने सरकार पर साधा निशाना

जीरकपुर/यूटर्न/21 अगस्त। जीरकपुर-पटियाला रोड स्थित गांव दयालपुरा में करीब आठ करोड़ रुपये की लागत से बन रहा 50 बिस्तरों वाला आयुष अस्पताल करीब आठ साल बाद भी शुरू नहीं हो सका है। अस्पताल की इमारत का लगभग 70 से 80 प्रतिशत निर्माण पूरा बताया जा रहा है, लेकिन तकनीकी खामियों, फंड की कमी और अन्य कारणों से परियोजना अधर में है। शुक्रवार को डेराबस्सी हलके के भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बन्नी संधू ने अस्पताल का दौरा कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया और सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाए। संधू ने कहा कि वर्ष 2018 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ब्रह्म महिंद्रा के समय इस परियोजना को मंजूरी मिली थी और इसे अप्रैल 2021 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान निर्माण की गति प्रभावित हुई, जबकि बाद में फंड जारी न होने से भी काम लंबे समय तक रुका रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के दावे करने वाली मौजूदा आम आदमी पार्टी सरकार भी अपने कार्यकाल में अस्पताल को शुरू नहीं करवा पाई है। इमारत का बड़ा हिस्सा तैयार होने के बावजूद स्टाफ और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

हंडेसरा में पंचायत जमीन पर अवैध माइनिंग करते जेसीबी पकड़ी,

लालड़ू/यूटर्न/21 अगस्त। हंडेसरा थाना पुलिस ने गांव अंटाला की पंचायत जमीन में कथित तौर पर अवैध माइनिंग करने के आरोप में जेसीबी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खनन विभाग की टीम की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस को दी शिकायत में जेई कम माइनिंग इंस्पेक्टर डेराबस्सी निखिल वर्मा ने बताया कि 21 अगस्त की सुबह करीब 3:20 बजे गांव अंटाला की पंचायत जमीन पर अचानक चेकिंग की गई। इस दौरान जीपीएस लोकेशन 30.395385, 76.932194 पर एक जेसीबी मशीन जमीन की खुदाई करते हुए मिली।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

क्या दुकानदार पुराना या इस्तेमाल किया हुआ सामान नया बताकर बेच सकता है?

कई बार ग्राहक किसी महंगे सामान को देखकर उसे नया समझकर खरीद लेते हैं। बाद में पता चलता है कि वह सामान पहले से इस्तेमाल किया जा चुका था, उसका पैकेट खोला गया था या वह किसी दूसरे ग्राहक को दिखाने के लिए इस्तेमाल किया गया था। ऐसे में सवाल उठता है—क्या दुकानदार ऐसा सामान बिना बताए नया बताकर बेच सकता है?

सामान्य रूप से ग्राहक को उत्पाद के बारे में सही जानकारी मिलनी चाहिए। यदि कोई सामान Used, Refurbished, Repaired या Open Box है और दुकानदार उसे नया बताकर बेचता है, तो यह ग्राहक को गलत जानकारी देना हो सकता है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई Mobile Phone पहले से Activate हो चुका है और उसे बिना बताए बिल्कुल नया बताकर बेचा जाता है, तो ग्राहक इस पर सवाल उठा सकता है।

इसी तरह किसी Electronic Product पर पहले से Scratch हों, उसकी Packing खुली हो या Product की स्थिति सामान्य नए सामान से अलग हो, तो ग्राहक को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए।

सामान खरीदते समय Bill, Serial Number, IMEI Number और Product की Packing जरूर जांचें। महंगे Electronic सामान में यह भी देखना उपयोगी है कि Warranty कब से शुरू हुई है। यदि खरीदने के बाद पता चलता है कि सामान नया नहीं था, तो तुरंत Seller से संपर्क करें और उपलब्ध सबूत सुरक्षित रखें। Product की Photo, Video, Invoice और Seller के साथ हुई बातचीत आगे शिकायत में काम आ सकती है।

हालांकि, केवल यह देखकर कि Packing खुली हुई है, हर मामले में यह साबित नहीं होता कि Product Used था। इसलिए शिकायत करने से पहले उपलब्ध तथ्यों और दस्तावेजों को देखना जरूरी है।

निष्कर्ष: ग्राहक को सामान खरीदते समय उसकी सही स्थिति जानने का अधिकार है। Used या Refurbished सामान को नया बताकर बेचना गंभीर उपभोक्ता विवाद पैदा कर सकता है। महंगा सामान खरीदते समय उसकी स्थिति, Warranty और Bill जरूर जांचें।

श्री दुर्गा मंदिर में शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

महामंडलेश्वर यमुना पुरी जी महाराज ने सुनाए शिव महिमा के प्रसंग, भक्ति में सराबोर हुआ मंदिर परिसर

पंचकूला/यूटर्न/21 अगस्त। श्री दुर्गा मंदिर सेक्टर-7 में चल रही सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। कथा के दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान शिव के जयकारों और भजनों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ शिव महापुराण के प्रसंगों का श्रवण किया। महामंडलेश्वर यमुना पुरी जी महाराज ने शिव महापुराण के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से भगवान शिव की महिमा और उनकी भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना मनुष्य को सत्य, संयम, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भजनों में भावविभोर नजर आए।

कथा का संदेश

भगवान शिव की भक्ति से मन को शांति मिलती है। महाराज ने श्रद्धालुओं को जीवन में धर्म, सत्य और सदाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

२३ अगस्त को पूर्णाहुति व भंडारा

आयोजकों ने बताया कि सात दिवसीय कथा का समापन 23 अगस्त को हवन, पूर्णाहुति और भंडारे के साथ होगा। इसके लिए मंदिर समिति की ओर से विशेष तैयारियां की जा रही हैं। श्रद्धालुओं से समापन समारोह में अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

अमेरिका से 15 दिनों में 5200 भारतीयों का निर्वासन हमारे देश के लिए चिंताजनक है। नियमों को तोड़ना और लापरवाह रवैया इसका सबसे बड़ा कारण

अमेरिका से बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों के निर्वासन की खबर चिंता का विषय है। यह स्थिति हमें विदेश जाने के नियमों और कानूनी प्रक्रियाओं के प्रति अधिक जागरूक होने की सीख देती है। अवैध तरीके से किसी दूसरे देश में प्रवेश करना, वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद रुकना या बिना आवश्यक दस्तावेजों के रहना निर्वासन का कारण बन सकता है। भारत सरकार के अनुसार, अमेरिका से निर्वासित लोगों की राष्ट्रीयता की पुष्टि करने के बाद ही उनकी भारत वापसी में सहयोग किया जाता है। इस समस्या को केवल देश की छवि से जोड़ने के बजाय हमें इसके मूल कारणों पर ध्यान देना चाहिए। भारत सरकार को युवाओं और नागरिकों को विदेश जाने के कानूनी नियमों के बारे में जागरूक करना चाहिए तथा अवैध प्रवास कराने वाले एजेंटों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। लोगों को भी बिना पूरी जानकारी के विदेश जाने से बचना चाहिए। यदि हम सभी कानूनों का सम्मान करें और सुरक्षित तथा वैध रास्ते से विदेश जाएँ, तो भारत की प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी और भारतीय नागरिकों को ऐसी कठिन परिस्थितियों का सामना भी कम करना पड़ेगा।

वैज्ञानिक सोच और कहानी-कथन का शानदार मेल, बीवीएम यूएसएन ने जीता द्वितीय स्थान

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। भारतीय विद्या मंदिर, उधम सिंह नगर के विद्यार्थियों ने एलएसएससी इंटर-स्कूल स्टोरीटेलिंग प्रतियोगिता 'क्रॉनिकल्स ऑफ साइंस: ए डिजिटल ओडिसी' में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन डीसीएम प्रेसीडेंसी स्कूल, लुधियाना में किया गया, जिसमें 26 टीमों के 52 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्राएं डोनिका अरोड़ा और दृष्टि जैन ने 'एवरीडे साइंस इनोवेशंस' विषय पर आधारित प्रस्तुति 'यू वी ड्राई बूस्ट' पेश की। दोनों छात्राओं ने प्रभावशाली कथावाचन, रचनात्मक प्रस्तुति और बेहतरीन टीमवर्क के जरिए निर्णायकों को प्रभावित किया।

प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और कहानी-कथन कौशल दिखाने का अवसर दिया। छात्राओं की तैयारी में शिक्षिकाओं किरण बाला, नरेंद्र सिंह रावत और माधुरी का निरंतर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण महत्वपूर्ण रहा।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन सूद ने छात्राओं और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक जिज्ञासा और प्रभावी संप्रेषण कौशल विकसित करने की विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने छात्राओं के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और टीम भावना की भी सराहना की।

हंडेसरा में पंचायत जमीन पर अवैध माइनिंग करते जेसीबी पकड़ी, चालक पर केस दर्ज

देर रात 3:20 बजे खनन विभाग की टीम ने की कार्रवाई, जेसीबी जब्त

लालड़ू/यूटर्न/21 अगस्त। हंडेसरा थाना पुलिस ने गांव अंटाला की पंचायत जमीन में कथित तौर पर अवैध माइनिंग करने के आरोप में जेसीबी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खनन विभाग की टीम की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस को दी शिकायत में जेई कम माइनिंग इंस्पेक्टर डेराबस्सी निखिल वर्मा ने बताया कि 21 अगस्त की सुबह करीब 3:20 बजे गांव अंटाला की पंचायत जमीन पर अचानक चेकिंग की गई। इस दौरान जीपीएस लोकेशन 30.395385, 76.932194 पर एक जेसीबी मशीन जमीन की खुदाई करते हुए मिली।

शिकायत के अनुसार मौके पर मौजूद जेसीबी का चेसिस नंबर लअफ्फउ्र403458695 पाया गया। जांच में सामने आया कि संबंधित माइनिंग के लिए कोई परमिट या अनुमति जारी नहीं की गई थी, जिसके चलते इसे अवैध खनन माना गया। पुलिस ने जेसीबी चालक गुरविंदर सिंह पुत्र भाग सिंह निवासी गांव नगला, थाना हंडेसरा के खिलाफ पंजाब माइनर एंड मिनरल एक्ट 1957 की धारा 21(1) और 4(1) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जेसीबी को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को भी दे दी गई है।

200 करोड़ के GST स्कैम की परतों के पीछे बड़ा नेटवर्क?

सारंग थापर कनेक्शन की जांच तेज, 200 से ज्यादा फर्मों के नेटवर्क और बड़े कारोबारियों की भूमिका पर नजर

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। बोगस बिलिंग और GST इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) से जुड़े कथित बड़े घोटाले की जांच अब एक ऐसे नेटवर्क की ओर बढ़ती नजर आ रही है, जिसके तार कई फर्मों, कारोबारियों और संभावित लाभार्थियों तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। शुरूआती जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर माना जा रहा है कि यह मामला केवल 200 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी तक सीमित नहीं रह सकता और जांच आगे बढ़ने के साथ रकम और नेटवर्क दोनों का दायरा बढ़ सकता है।

सूत्रों के अनुसार, इस पूरे मामले में अकाउंटेंट सारंग थापर का नाम कथित तौर पर बोगस बिलिंग नेटवर्क के मुख्य कर्ताधर्ताओं में सामने आ रहा है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि किस तरह फर्जी फर्मों, शेल कंपनियों और बिलिंग चैनल के जरिए GST इनपुट का लाभ लिया गया।

200 से ज्यादा फर्मों का नेटवर्क जांच के घेरे में

सूत्रों के मुताबिक, सारंग थापर से जुड़े कथित नेटवर्क में 200 से अधिक फर्मों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच का फोकस यह पता लगाने पर है कि इनमें से कितनी फर्में वास्तविक कारोबार कर रही थीं और कितनी केवल बिलिंग के लिए इस्तेमाल की गईं। जांच एजेंसियां फर्मों के GST रिटर्न, खरीद-बिक्री रिकॉर्ड, ई-वे बिल, बैंक लेनदेन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का उद्देश्य कथित नेटवर्क में शामिल ऑपरेटरों के साथ-साथ उन कारोबारियों तक पहुंचना है, जिन्होंने कथित तौर पर इस व्यवस्था से फायदा लिया।

'बिल बनाने वालों' से आगे बढ़ी जांच

- जांच का सबसे अहम पहलू यह है कि एजेंसियां अब केवल फर्जी फर्म बनाने वालों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि उन कंपनियों और कारोबारियों की भूमिका भी खंगाल रही हैं, जिन्हें इस नेटवर्क से आर्थिक फायदा पहुंचा हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, ऐसे मामलों में असली लाभार्थियों की पहचान करना जांच का बड़ा हिस्सा होता है। इसी कारण पिछले लेनदेन, बिलिंग पैटर्न और फर्मों के बीच हुए व्यापारिक संबंधों की गहराई से जांच की जा रही है।

जांच का अगला चरण तय करेगा असली तस्वीर

- फिलहाल जांच एजेंसियां कथित नेटवर्क की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि बोगस बिलिंग का संचालन किस स्तर तक था, कितने कारोबारियों ने इसका लाभ लिया और सरकारी राजस्व को कितना नुकसान पहुंचा। अगर जांच में बड़े पैमाने पर फर्जी लेनदेन और लाभार्थियों की पुष्टि होती है तो यह मामला पंजाब के सबसे बड़े ऋृळ इनपुट घोटालों में शामिल हो सकता है।

दुबई कनेक्शन की भी चर्चाएं

सूत्रों के अनुसार, कथित नेटवर्क से जुड़े एक कारोबारी कनेक्शन के विदेश, विशेषकर दुबई से जुड़े होने की भी जांच की चर्चाएं हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित व्यक्ति का संबंध खन्ना क्षेत्र से है और विदेश से कारोबारी गतिविधियां संचालित करने की बात सामने आ रही है। हालांकि, विदेश कनेक्शन या किसी व्यक्ति की भूमिका को लेकर अभी तक जांच एजेंसियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

KNL फोर्जिंग के नाम के बाद बढ़ी हलचल

मामले में KNL फोर्जिंग के डायरेक्टर केके गर्ग और चेतन गर्ग के नाम सामने आने के बाद उद्योग जगत में चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े कुछ और बड़े कारोबारियों से पूछताछ या कार्रवाई हो सकती है। लुधियाना और मंडी गोबिंदगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों में इस मामले को लेकर हलचल बढ़ गई है। कारोबारियों के बीच चर्चा है कि जांच अब उन कंपनियों तक पहुंच सकती है, जिन्होंने कथित तौर पर फर्जी बिलिंग नेटवर्क के माध्यम से GST लाभ हासिल किया।

31 अगस्त तक कार्रवाई तेज होने के संकेत

- सूत्रों के मुताबिक, 31 अगस्त 2026 तक विभागीय जांच और कार्रवाई में तेजी आने की संभावना है। इस दौरान कई फर्मों के रिकॉर्ड, दस्तावेज और डिजिटल सबूतों की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। माना जा रहा है कि जांच आगे बढ़ने के साथ कुछ नए नाम सामने आ सकते हैं और कई बड़े कारोबारी घरानों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है।

वन सेंटर लुधियाना: शहर के ऑफिस कल्चर में आएगा नया बदलाव

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। शहर के तेजी से विकसित हो रहे कमर्शियल लैंडस्केप में One Centrum एक ऐसा प्रीमियम बिजनेस डेस्टिनेशन बनने की दिशा में है, जो लुधियाना के पारंपरिक ऑफिस कल्चर को आधुनिक और कॉरपोरेट वातावरण से जोड़ सकता है। One Centrum में आधुनिक ऑफिस स्पेस, प्रोफेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर वर्कप्लेस एक्सपीरियंस पर जोर दिया गया है। ऐसे वातावरण से कंपनियों को न केवल बेहतर कार्यक्षमता और ब्रांड प्रेजेंस मिल सकती है, बल्कि कर्मचारियों के लिए भी अधिक संगठित और प्रेरक वर्किंग एनवायरनमेंट तैयार होगा।

लुधियाना की मजबूत इंडस्ट्रियल और बिजनेस इकोनॉमी के बीच इस तरह के प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग लगातार बढ़ रही है। One Centrum शहर में कॉरपोरेट ऑफिस, उद्यमियों, प्रोफेशनल सर्विसेज और नए बिजनेस वेंचर्स के लिए एक साझा बिजनेस हब के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे प्रोजेक्ट्स केवल ऑफिस स्पेस उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि शहर के काम करने के तरीके और बिजनेस कल्चर को भी प्रभावित करते हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रोफेशनल माहौल और आधुनिक सुविधाओं के साथ One Centrum लुधियाना को एक अधिक कॉरपोरेट, कनेक्टेड और भविष्य के लिए तैयार बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में योगदान दे सकता है। कुल मिलाकर, One Centrum का प्रभाव सिर्फ एक नए कमर्शियल प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं रह सकता; यह लुधियाना में 'ऑफिस' से 'वर्कप्लेस' की ओर बढ़ते बदलाव का प्रतीक बन सकता है।

कौमी इंसाफ मोर्चा की पंजाब बंद कॉल का दिखा असर, ज्यादातर स्कूल-कॉलेज और बाजार रहे बंद

लुधियाना/यूटर्न/21 अगस्त। कौमी इंसाफ मोर्चा की और से बंदी सिखों की रिहाई के लिए शुक्रवार को पंजाब बंद की कॉल दी गई थी। इस दौरान पंजाब के जिलों में ज्यादातर स्कूल और कॉलेज बंद रहे। वहीं बाजार भी बंद देखने को मिले। सड़कों पर सुनसान थी। लुधियाना के चौड़ा बाजार में कुछ दुकानें खुली तो पुलिस ने उन्हें बंद करवा दिया। लोग काफी कम गिनती में घरों से बाहर निकले। वहीं दूसरी तरफ कौमी इंसाफ मोर्चा के समर्थकों ने लाडोवाल टोल प्लाजा के पास नेशनल हाईवे पर चक्का जाम किया। जिसकी वजह से लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ा। इसके अलावा दुगरी में नहर वाले पुल पर भी चक्का जाम किया गया। समराला चौक व शहर के कई इलाकों में सिख संगठनों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। शहर में ज्यादातर प्राइवेट स्कूल कॉलेज बंद रहे जबकि सरकारी स्कूल खुले रहे। सरकारी स्कूलों में भी स्टूडेंट की गिनती काफी कम रही। घंटाघर, भारत नगर चौक, समराला चौक, चौड़ा बाजार समेत प्रमुख चौकों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।चंडीगढ़ रोड और फिरोजपुर रोड पर 12 बजे तक वाहनों की आवाजाही सामान्य रही लेकिन उसके बाद काम कौमी इंसाफ मोर्चा के सदस्यों ने कुछ समय के लिए जमालपुर के पास वाहनों की आवाजाही बंद की।

घर में घुसकर 10 लाख रुपए की चोरी, 8 तोले सोने के गहने और नकदी ले गए चोर

माछीवाड़ा साहिब/यूटर्न/21 अगस्त। लुधियाना के माछीवाड़ा साहिब इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। बीती रात गांव सहबाजपुर में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर करीब 10 लाख रुपये के सोने के गहने और नकदी चोरी कर ली। वारदात के दौरान घर की मालकिन और उसके बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। घर की मालकिन इंदरजीत कौर ने बताया कि रात करीब 1:30 बजे चोरों ने घर का जाली वाला दरवाजा धक्का देकर खोल लिया। इसके बाद उन्होंने अलमारी में रखे करीब 7 से 8 तोले सोने के गहने और 20 हजार रुपये नकद लेकर फरार होने लगे। इंदरजीत कौर के मुताबिक, चोरी करने के बाद चोरों ने उनके कमरे का दरवाजा भी तोड़ने का प्रयास किया।

जीरकपुर में पंजाब बंद का मिला-जुला असर, मुख्य बाजार बंद; मॉल और ब्रांडेड शोरूम खुले

बंदी सिंहों की रिहाई के समर्थन में बंद रहे छोटे बाजार, बड़े प्रतिष्ठानों में चलता रहा कारोबार

जीरकपुर/यूटर्न/21 अगस्त। बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों की ओर से शुक्रवार को दिए गए पंजाब बंद के आह्वान का जीरकपुर में मिला-जुला असर देखने को मिला। शहर के मुख्य बाजार और अलग-अलग इलाकों में बड़ी संख्या में छोटी दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। इसके विपरीत शहर के बड़े मॉल, कई ब्रांडेड कंपनियों के शोरूम और कुछ शराब की दुकानें खुली रहीं। इस कारण शहर में पूरी तरह बंद जैसी स्थिति नहीं रही।

सुबह से ही मुख्य बाजार में आम दिनों के मुकाबले चहल-पहल कम दिखाई दी। कई दुकानदारों ने सुबह से ही अपनी दुकानें नहीं खोलीं, जबकि कुछ दुकानदारों ने बाद में बंद का समर्थन करते हुए शटर गिरा दिए। दुकानें बंद रहने के कारण बाजार में ग्राहकों की संख्या भी काफी कम रही। हालांकि शहर की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही जारी रही।

बाजारों में पहुंचे संगठनों के सदस्य, सहयोग की अपील

पंजाब बंद का समर्थन कर रहे संगठनों के सदस्य शहर के अलग-अलग बाजारों में पहुंचे। उन्होंने खुले प्रतिष्ठानों के संचालकों और दुकानदारों से बंद में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। शहर में बंद को लेकर किसी तरह के बड़े विवाद या हंगामे की सूचना नहीं मिली और अधिकांश स्थानों पर स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही। संगठनों से जुड़े लोगों का कहना था कि बंदी सिंहों की रिहाई की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। इसी मांग को सरकार तक पहुंचाने के लिए पंजाब बंद का आह्वान किया गया। उन्होंने बंद में सहयोग करने वाले व्यापारियों और शहरवासियों का आभार भी जताया।

मॉल और ब्रांडेड शोरूम में चलता रहा कारोबार

एक तरफ शहर के मुख्य बाजार में दुकानों के शटर गिरे दिखाई दिए तो दूसरी तरफ बड़े मॉल और कई ब्रांडेड शोरूम खुले रहे। यहां ग्राहकों का आना-जाना भी जारी रहा। शहर के कुछ स्थानों पर शराब की दुकानें भी खुली दिखाई दीं। ऐसे में जीरकपुर में बंद का असर सभी बाजारों और व्यापारिक क्षेत्रों में एक जैसा नहीं रहा। मुख्य बाजार और छोटे व्यापारियों वाले क्षेत्रों में बंद का अधिक असर दिखाई दिया, जबकि मॉल और बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रोजमर्रा की गतिविधियां काफी हद तक जारी रहीं। सड़कों पर भी वाहनों की आवाजाही बनी रहने के कारण शहर की गतिविधियां पूरी तरह नहीं थमीं।

शांतिपूर्ण रहा बंद, पुलिस भी रही सतर्क

पंजाब बंद को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। शहर के प्रमुख स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस कर्मचारियों की तैनाती की गई और स्थिति पर नजर रखी गई। बंद के दौरान किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। कुल मिलाकर जीरकपुर में पंजाब बंद का असर बाजारों के हिसाब से अलग-अलग दिखाई दिया। मुख्य बाजार और छोटी दुकानों पर बंद का प्रभाव अधिक रहा, जबकि मॉल, ब्रांडेड शोरूम और कुछ अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले रहने से शहर में बंद का मिला-जुला असर रहा।

लालड़ू बाजार बंद, हंडेसरा में सड़क जाम; पंजाब बंद का मिला-जुला असर

निजी स्कूल भी रहे बंद, अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर सामान्य रहा यातायात; जरूरी सेवाएं रहीं बहाल

जीरकपुर/यूटर्न/21 अगस्त। बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से शुक्रवार को दिए गए पंजाब बंद के आह्वान का लालड़ू, हंडेसरा और आसपास के क्षेत्रों में मिला-जुला असर देखने को मिला। अकाली दल वारिस पंजाब ने भी बंद का समर्थन किया। लालड़ू में बाजार और निजी स्कूल बंद रहे, जबकि अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर यातायात सामान्य रूप से चलता रहा। दूसरी ओर हंडेसरा में प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर बंदी सिंहों की रिहाई की मांग उठाई। अंबाला-

नारायणगढ़ मार्ग पर हंडेसरा में अकाली दल वारिस पंजाब के वरिष्ठ नेता एवं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के सदस्य निर्मैल सिंह जौला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सड़क पर धरना देकर रोष प्रदर्शन किया। सड़क जाम होने से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

लालड़ू मंडी और हंडेसरा में दुकानें रहीं बंद...बंद के आह्वान के चलते सुबह से ही लालड़ू मंडी और हंडेसरा के बाजारों में अधिकांश दुकानें बंद रहीं। क्षेत्र के निजी स्कूल भी बंद रहे। हालांकि दवा की दुकानें, चिकित्सकों के क्लीनिक, दूध और डेयरी से जुड़ी दुकानें खुली रहीं। सरकारी कार्यालयों में भी सामान्य रूप से कामकाज जारी रहा।

सजा पूरी होने के बाद रिहाई की उठाई मांग...प्रदर्शन के दौरान निर्मैल सिंह जौला ने कहा कि कई बंदी सिंह अपनी सजाएं पूरी करने के बावजूद जेलों में बंद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बंदी सिंहों की रिहाई के मुद्दे पर अलग-अलग सरकारों का रवैया एक जैसा रहा है। उन्होंने सरकार से बंदी सिंहों की रिहाई के मामले में जल्द निर्णय लेने की मांग की।

डीसीपी अदिति सिंह ने तीन थानों का किया निरीक्षण, लंबित मामलों के समयबद्ध निपटारे के निर्देश

रिकॉर्ड, हथियार, हवालात और मालखाने की जांच; जब्त वाहनों के शीघ्र निपटान को कहा

कपिल नागपाल,
पंचकूला/यूटर्न/21 अगस्त। पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से डीसीपी पंचकूला आईपीएस अदिति सिंह ने शुक्रवार को पिंजौर, कालका और एमडीसी थाने का औपचारिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थानों के रिकॉर्ड, रजिस्टर, सरकारी हथियार, हवालात, मालखाना और अन्य व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। डीसीपी ने लंबित शिकायतों और मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष और निर्धारित समय सीमा में निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ शिकायतकर्ताओं के प्रति शालीन और संवेदनशील व्यवहार रखा जाए। निरीक्षण के दौरान सरकारी हथियारों के रखरखाव और रिकॉर्ड का मिलान भी किया गया। डीसीपी ने हवालात में सुरक्षा प्रबंधों और निर्धारित मानकों की समीक्षा की तथा मालखाने की व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना परिसरों में लंबे समय से खड़े लावारिस और जब्त वाहनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उनके नियमानुसार शीघ्र निपटान को कहा गया। डीसीपी ने पुलिस कर्मचारियों से संवाद कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अनुशासन, स्वच्छता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश भी दिए।

डेराबस्सी में पंजाब बंद का व्यापक असर, बाजार रहे बंद

डेराबस्सी/यूटर्न/21 अगस्त। कौमी इंसाफ मोर्चे की ओर से दिए गए पंजाब बंद के आह्वान का शुक्रवार को डेराबस्सी में व्यापक असर देखने को मिला। शहर के अधिकांश बाजार, दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। इस दौरान कुछ युवाओं ने शहर में खुली दुकानों को भी बंद करवाया। बंद के चलते कई स्थानों पर सड़कों पर सामान्य दिनों के मुकाबले आवाजाही कम नजर आई। बंद को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित मोर के नेतृत्व में पुलिस कर्मचारियों ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगातार गश्त की। मुख्य चौकों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

लालड़ू में भी बंद को मिला समर्थन...लालड़ू सर्कल में अकाली दल वारिस पंजाब दे के जिला उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह सरसीणी के नेतृत्व में बंद का समर्थन किया गया। इस दौरान नेताओं ने कहा कि पंजाब के अधिकारों और इंसाफ से जुड़े मुद्दों को लेकर लोगों में रोष है।

बंदी सिंहों की रिहाई के समर्थन में अमृतसर में बंद का व्यापक असर

दोपहर 2 बजे तक थमा बाजारों का कारोबार, प्रमुख बाजारों में पसरा सन्नाटा

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यू टर्न /21 अगस्त! बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर कोमी इन्साफ मोर्चा की ओर से दी गई पंजाब बंद की कॉल का अमृतसर शहर में व्यापक असर देखने को मिला। शहर के अधिकांश प्रमुख बाजारों में दुकानदारों ने अपनी दुकानें पूरी तरह बंद रखकर बंद का समर्थन किया। दोपहर करीब 2 बजे तक शहर के कई हिस्सों में बाजारों में कारोबार पूरी तरह ठप रहा और सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी कम चहल-पहल दिखाई दी।

हॉल बाजार से लेकर लॉरेंस रोड तक दुकानें बंद

अमृतसर के प्रमुख व्यापारिक केंद्र हॉल बाजार, गोल हटी चौक, कटरा शेर सिंह, कटरा जैमल सिंह, शास्त्री मार्केट, रामबाग और लॉरेंस रोड सहित शहर के अंदरूनी बाजारों में भी दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। बाजारों में अधिकांश शटर डाउन रहे और व्यापारिक गतिविधियां लगभग पूरी तरह बंद दिखाई दीं। स्कूल व कालेज भी पूरी तरह बंद रहे!

बंद के दौरान बाजारों में पसरा सन्नाटा

आमतौर पर ग्राहकों से गुलजार रहने वाले प्रमुख बाजारों में दुकानें बंद होने के कारण सड़क किनारे और दुकानों के बाहर भी कम भीड़ नजर आई।

जरूरी सेवाओं को रखा गया बंद से बाहर

पंजाब बंद के दौरान लोगों की आवश्यक जरूरतों को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल स्टोरों को खुला रखा गया। अस्पतालों, स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं तथा दवाइयों की उपलब्धता को प्रभावित नहीं होने दिया गया, ताकि मरीजों और जरूरतमंद लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बंद का असर मुख्य रूप से व्यापारिक प्रतिष्ठानों और बाजारों पर देखने को मिला। दोपहर बाद धीरे-धीरे बाजारों में गतिविधियां सामान्य होने की उम्मीद जताई गई। बंदी सिंहों की रिहाई को लेकर आयोजित इस बंद के दौरान अमृतसर में व्यापारिक क्षेत्रों की बंदी ने मांग के प्रति समर्थन का व्यापक संदेश दिया। शहर के प्रमुख बाजारों के आलावा अंदरूनी शहर भी बंद से अछूता नहीं रहा! बाद दोपहर 2 बजे के बाद बाजार खुलने शुरू हुए!

हर शुक्रवार डेंगू पर वारः अमृतसर में एंटी-लार्वा, फॉगिंग और जागरूकता अभियान तेज

हॉटस्पॉट क्षेत्रों में पहुंचीं स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यू टर्न / 21 अगस्त! पंजाब सरकार के निर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने 'हर शुक्रवार डेंगू पर वार' अभियान के तहत शुक्रवार को शहरभर में विशेष अभियान चलाया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने डेंगू प्रभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में एंटी-लार्वा गतिविधियों, फॉगिंग, स्प्रे और जागरूकता अभियान चलाया।

राम बाग से भगतांवाला तक लोगों को किया जागरूक

सिविल अस्पताल, सरकारी व निजी नर्सिंग कॉलेजों के अलावा राम बाग, जहाजगढ़, पुतलीघर, मजीठा रोड, रोडवेज और भगतांवाला सहित विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को डेंगू से बचाव के उपाय बताए गए। इस दौरान पोस्टर व पैंफलेट भी वितरित किए गए।

पानी जमा न होने दें: सिविल सर्जन

सिविल सर्जन डॉ. रश्मि विज ने कहा कि बरसात के मौसम में जमा पानी मच्छरों के प्रजनन का प्रमुख कारण बनता है। उन्होंने लोगों से प्रत्येक शुक्रवार कूलरों, फ्रिज की ट्रे, गमलों, पानी की टंकियों और छतों पर पड़े सामान की जांच कर पानी जमा न होने देने की अपील की।

लक्षण दिखें तो तुरंत जांच करवाएं!

जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. हरजोत कौर ने बताया कि डेंगू एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली वायरल बीमारी है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी अथवा रक्तस्राव जैसे लक्षण होने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में जांच व उपचार करवाना चाहिए। उन्होंने पूरी बाजू के कपड़े पहनने और मच्छर रिपेलेंट इस्तेमाल करने की सलाह दी।

अंबाला मंडल के 15 स्टार परफॉर्मर्स सम्मानित, टिकट चेकिंग से जुटाया 2.13 करोड़ राजस्व

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यू टर्न/ 21 अगस्त। अंबाला रेलवे मंडल में राजस्व अर्जन, टिकट चेकिंग, डिजिटल भुगतान और यात्री सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार भाटिया ने सम्मानित किया। समारोह मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अंबाला में आयोजित हुआ।

अप्रैल से जुलाई 2026 तक टिकट चेकिंग कर्मचारियों ने 33,071 मामलों से करीब 2.13 करोड़ का राजस्व अर्जित किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 10 टिकट चेकर्स को सम्मानित किया गया। सिमरनजीत सिंह, उप सीआईटी/अंबाला ने 7,395 मामलों में 48.83 लाख जुटाकर सर्वाधिक प्रदर्शन किया। अमित सूरी ने 39.48 लाख, विजयपाल ने 33.93 लाख, आलोक कुमार गुप्ता ने 33.41 लाख और सुनील कुमार ने 32.72 लाख राजस्व अर्जित किया।

डिजिटल भुगतान में सतीश कुमार ने 74 प्रतिशत डिजिटल कलेक्शन के साथ मंडल में सर्वोच्च प्रदर्शन किया, जबकि समीर ने यूटीएस में 40 और पीआरएस में 58 प्रतिशत डिजिटल कलेक्शन दर्ज किया। यात्री सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए विपिन पौडवाल, सीएमआई/कालका को विशेष सम्मान मिला। डीआरएम भाटिया ने कर्मचारियों की ईमानदारी, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

मृत ससुर की गाड़ी धोखे से बेचना दामाद को पड़ा भारी, थाना दाखा में आपराधिक मामला दर्ज

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अगस्त। पुलिस क्राइम रिपोर्ट के अनुसार, मृत व्यक्ति की संपत्ति और वाहन के साथ धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है। गुरुमीत कौर पत्नी हरजिंदर सिंह गांव गुडे की शिकायत पर थाना दाखा में आरोपी अवविंदर सिंह पुत्र (स्वर्गीय) जनक सिंह, गांव गांव गुड़े के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी अवविंदर सिंह ने मृत ससुर की मौत के बाद उनकी गाड़ी को धोखे से बेचने की साजिश रची। आरोपी ने जाली एफिडेविट (शपथ पत्र) तैयार करवाया और फर्जी दस्तखत (हस्ताक्षर) करके कार को धोखे से बेच दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अफसर द्वारा इसकी पूरी जांच के बाद थाना दाखा मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस प्रशासन के मुताबिक, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और आरोपी की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

पैलेट गन पीड़ित FIR के इंतजार में: थाने के बाहर राहुल गांधी का धरना

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अगस्त। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य नेताओं ने 21 अगस्त को दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन और DCP ऑफिस के बाहर धरना दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की, क्योंकि पार्टी का आरोप था कि पुलिस ने कथित तौर पर बर्बरता की थी। नेताओं ने शिकायत दर्ज करने से इनकार करने पर पुलिस अधिकारियों से सवाल-जवाब किए।

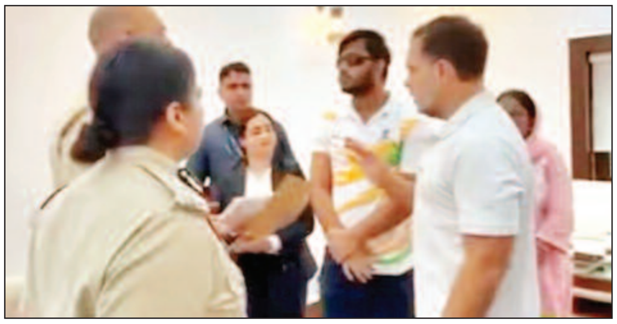

विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस ने कहा, 'पूरा देश देख रहा है कि कैसे मोदी-शाह सरकार दोषियों को बचाने और न्याय में बाधा डालने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है।' पार्टी ने अधिकारियों पर जिम्मेदार लोगों को बचाने और कानूनी कार्रवाई रोकने का आरोप लगाया, साथ ही अधिकारियों के खिलाफ FIR की अपनी मांग पर अड़े रहे।

गांधी, साहिल लोचब (19 साल का युवक, जिसे कथित तौर पर पैलेट गन से चोट लगी थी) और कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पुलिस स्टेशन गए और FIR दर्ज करने से इनकार करने पर अधिकारियों से सवाल किए। पुलिस द्वारा कथित तौर पर शिकायत दर्ज करने से इनकार करने के बाद, गांधी स्टेशन के बाहर धरने पर बैठ गए और कहा कि जब तक FIR दर्ज नहीं हो जाती, वे वहीं रहेंगे। कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें शेयर कीं और अधिकारियों पर न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाया।

मीडिया से बात करते हुए गांधी ने दावा किया कि लोचब की आंख में तीन पैलेट (छर्रे) फंसे हुए थे और उसके शरीर में लगभग 200 पैलेट लगे थे; कुछ टुकड़े उसके दिल के पास थे जिन्हें डॉक्टर निकाल नहीं पाए। उन्होंने छात्र के शरीर से निकाले गए धातु के पैलेट भी दिखाए।

गांधी ने दिल्ली पुलिस के इस दावे पर सवाल उठाया कि उनके जवानों ने पैलेट गन नहीं चलाई थी, और पूछा कि फिर किसने चलाई होगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस अधिकारियों ने कहा था कि उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से निर्देश मिले थे कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर FIR दर्ज न की जाए।

नशे के सौदागरों पर शिकंजा, एक्टिवा पर 505 ग्राम हेरोइन की तस्करी के आरोप में औरत समेत तीन गिरफ्तार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अगस्त। थाना जोधा की पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को 505 ग्राम हेरोइन और एक एक्टिवा स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट (NDPS Act) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान: किरणदीप सिंह उर्फ किरण पुत्र हरमनप्रीत सिंह, निवासी गांव चचराड़ी जगरांव, जगदीप सिंह उर्फ जग्गा पुत्र सुखदेव सिंह, निवासी-मजीठा रोड, नौशहरा, जिला श्री अमृतसर साहिब और पूजा रावी पुत्री मनोज कुमार, निवासी-गली नंबर 6, नजदीक हरकिशन स्कूल शिमलापुरी के रूप में हुई है। पुलिस ने इन तीनों तस्करों के खिलाफ थाना जोधा में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

80 आउटसोर्स सफाई कर्मियों को कॉन्ट्रैक्ट पर लाने का फैसला

आलमगीर-मगरा में लगेंगे नए ट्यूबवेल, धर्मगढ़ संपर्क सड़क होगी 20 फीट चौड़ी

लालड़ू/यूटर्न/21 अगस्त। नगर कौंसिल लालड़ू की शुक्रवार को प्रधान जोरावर सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, सीवरेज और अन्य विकास कार्यों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा विशेष रूप से मौजूद रहे। सबसे अहम फैसला कौंसिल में आउटसोर्स आधार पर काम कर रहे 80 सफाई कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट पर लाने का लिया गया।

बैठक में आलमगीर और मगरा क्षेत्र में पेयजल की समस्या दूर करने के लिए नए ट्यूबवेल लगाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। अधिकारियों के अनुसार इन ट्यूबवेल के लगने से संबंधित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बेहतर करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही कौंसिल क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने पर भी चर्चा हुई।

धर्मगढ़ संपर्क सड़क के किनारे डाली जाएगी सीवरेज पाइपलाइन... बैठक में धर्मगढ़ संपर्क सड़क के किनारे बने नाले को बंद कर उसके स्थान पर बड़ी सीवरेज पाइपलाइन डालने का फैसला लिया गया। नगर कौंसिल की सीमा में आने वाली धर्मगढ़ संपर्क सड़क को 20 फीट चौड़ा करने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दी गई। इसके अलावा नए बने बस अड्डे पर बिजली आपूर्ति की व्यवस्था के लिए ट्रांसफार्मर लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। नगर कौंसिल के अधीन आने वाले कम्युनिटी सेंटरों की बुकिंग फीस में भी बदलाव किया गया है। बैठक में बुकिंग फीस 1100 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

विकास कार्य प्राथमिकता से पूरे होंगे: रंधावा... विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि लालड़ू शहर से संबंधित लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा। लोगों को पेयजल, सफाई, सड़क और सीवरेज जैसी बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

सुभाष शर्मा की मौजूदगी में कई परिवारों ने थामा आप का दामन

कहा- पार्टी में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं को मिलेगा पूरा सम्मान

जीरकपुर/यूटर्न/21 अगस्त। पंजाब जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा की मौजूदगी में जीरकपुर के नजदीकी गांव छत के कई परिवारों ने आम आदमी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि नए सदस्यों ने पंजाब सरकार की नीतियों और आम आदमी पार्टी के कामकाज से प्रभावित होकर पार्टी का दामन थामा है। सुभाष शर्मा ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि संगठन में उन्हें उचित सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी से जुड़े लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा और उनके कार्यों को समय पर पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

2027 में फिर सरकार बनाने का किया दावा

शर्मा ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी दोबारा जीत हासिल कर प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं और परिवारों से जुड़े कल्याणकारी कार्यक्रमों पर भी काम कर रही है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी की संयुक्त सचिव स्वीटी शर्मा, हरजिंदर सिंह भुडा, अमृतपाल सिंह, स्वर्ण सिंह टिवाणा, बलविंदर सिंह आलमगीर, सोनू, गुरचरण सिंह, गुरमीत सिंह, बनारसी दास, प्रिंस और सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सेक्टर-20 की सफाई व्यवस्था पर संयुक्त आयुक्त सख्त, शिकायतें जल्द निपटाने के निर्देश

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का नियमित शेड्यूल जारी करने को कहा

पंचकूला/यूटर्न/21 अगस्त। नगर निगम पंचकूला की संयुक्त आयुक्त सिमरनजीत कौर ने शुक्रवार को सेक्टर-20 में वार्ड पार्षद राकेश और आरडब्ल्यूए सदस्यों के साथ बैठक कर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था और कचरा संग्रहण से जुड़ी समस्याओं की समीक्षा की। बैठक में स्थानीय प्रतिनिधियों ने सफाई, कचरा उठान और अन्य नागरिक समस्याओं से संयुक्त आयुक्त को अवगत कराया।

संयुक्त आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लेकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए और क्षेत्र में नियमित निगरानी की जाए।

सिमरनजीत कौर ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एजेंसी के प्रतिनिधियों को भी जल्द नियमित शेड्यूल जारी करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को यह जानकारी रहे कि उनके क्षेत्र में कचरा संग्रहण वाहन किस समय पहुंचेगा।

उन्होंने कचरा उठान से संबंधित शिकायतों का तुरंत समाधान करने को भी कहा। संयुक्त आयुक्त ने आरडब्ल्यूए सदस्यों से नगर निगम के साथ समन्वय बनाकर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग की अपील की। बैठक में निगम अधिकारी, पार्षद, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

12 सितंबर को आयोजित होगी वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत

लंबित एवं प्री-लिटिगेटिव मामलों का आपसी सहमति से होगा निपटारा

दलजीत अजनोहा

होशियारपुर/यूटर्न/21 अगस्त। जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, होशियारपुर की ओर से सदस्य सचिव, पंजाब राज्य कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, एस.ए.एस. नगर के दिशा-निर्देशों के अनुसार 12 सितंबर, 2026 को जिला एवं सब-डिवीजन स्तर पर वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश-कम-चेयरमैन, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, होशियारपुर राजिंदर अग्रवाल के योग्य नेतृत्व में आयोजित होगी।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल मामले, किराया मामले, एम.ए.सी.टी. मामले, आपराधिक कंपाउंडेबल मामले, राजस्व मामले, नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 138 से संबंधित मामले, पारिवारिक मामले, श्रम मामले, बैंक मामलों (लंबित एवं प्री-लिटिगेटिव), टेलीकॉम कंपनियों से संबंधित मामले, बिजली बिल, पानी एवं सीवरेज बिलों से संबंधित मामले (गैर-कंपाउंडेबल मामलों को छोड़कर) तथा अन्य प्री-लिटिगेटिव मामलों का निपटारा किया जाएगा। लोक अदालत में अदालतों में लंबित तथा प्री-लिटिगेटिव, दोनों प्रकार के मामले निपटारे के लिए रखे जाएंगे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-कम-चेयरमैन राजिंदर अग्रवाल ने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक मामलों का निपटारा लोक अदालत के माध्यम से करवाएं।

इंस्पेक्टर नवदीप सिंह भुल्लर की माता चरणजीत कौर का निधन, परिवार में शोक की लहर

मोगा के शहीद भगत सिंह नगर स्थित गुरुद्वारा विश्वकर्मा भवन में आज होगी अंतिम अरदास

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अगस्त। लुधियाना ग्रामीण पुलिस में सेवाएं दे रहे इंस्पेक्टर नवदीप सिंह भुल्लर के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। उनकी माता और गुरपाल सिंह की धर्मपत्नी, माता चरणजीत कौर गत 12 अगस्त को इस नश्वर संसार को छोड़कर देवलोक सिधार गई। उनके निधन से पूरे पुलिस

विभाग और सगे-सम्बन्धियों में शोक की लहर दौड़ गई है। लुधियाना ग्रामीण पुलिस के तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस दुखद घड़ी में इंस्पेक्टर नवदीप सिंह भुल्लर और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

अंतिम अरदास: परिवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिवंगत आत्मा की शांति के लिए रखे गए श्री सहज पाठ का भोग और अंतिम अरदास आज यानी 21 अगस्त (शुक्रवार) को दोपहर 12:00 बजे से 01:00 बजे तक गुरुद्वारा विश्वकर्मा भवन, शहीद भगत सिंह नगर (सरकारी आईटीआई के सामने), मोगा में होगी। शोकाकुल परिवार ने सभी रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों से अंतिम अरदास में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

पंजाब बंद के मद्देनजर मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा, PS चौक पर भारी पुलिस बल तैनात

पंजाब/यूटर्न/21 अगस्त। बंदी सिंहों की रिहाई समेत अन्य मांगों को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से शुक्रवार को पंजाब बंद का आह्वान किया गया है। बंद के मद्देनजर मोहाली-चंडीगढ़ सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पंजाब बंद सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक बुलाया गया है। मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाले प्रमुख मार्गों पर पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग की गई है। खास तौर पर जेल बॉर्डर पर पुलिस बल की तैनाती के साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं ढर चौक पर भी भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात नजर आ रहे हैं। 15 अगस्त को बंदी सिंहों की रिहाई की मांग को लेकर मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर हुए प्रदर्शन के दौरान तनाव की स्थिति बनी थी। इसके बाद आज के बंद को देखते हुए प्रशासन की ओर से किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पहले से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। मोहाली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती की है और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई है। लोगों से प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने और आवाजाही के दौरान प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

एक्ट्रेस ने बयां की जिंदगी की सबसे मुश्किल दास्तान, कंगना शर्मा का छलका दर्द

एक्ट्रेस-सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कंगना शर्मा ने अपनी दर्दनाक कहानी शेयर की है. कंगना ने बताया कि वो बचपन में पिता का अत्याचार देखकर बड़ी हुई हैं. उनके पिता उनकी मां, उनकी बहन और उन्हें मारते थे. कंगना आज तक अपनी बड़ी बहन को खोने का दर्द नहीं भूल पाई हैं. सिद्धार्थ कनन संग बातचीत में उन्होंने कहा कि मेरी बहन की जिस घर में शादी हुई. वहां वैश्यावृति का काम होता था. हमें ये बात पता नहीं थी. वो कहती हैं कि हमारे यहां होता है कि पहली रात दूल्हा-दुल्हन को सोने नहीं देते. मैं बहन के साथ उसके ससुराल गई थी. मैं रात में उठी, तो देखा वॉशरूम में मेरी बहन के मुंह में कपड़ा डालकर उसका पति सेक्स कर रहा था. 'मैं कुछ नहीं कर सकी. उसके ससुर आए, तो उन्होंने मुझसे कहा कि मैं तुम्हे घर दिखाता हूं. मेरी बहन मना कर रही थी, लेकिन मैं चली गई. इसके बाद मेरी बहन वहां से ले आई और कहा कि घर चल मैं तुझे सब बताऊंगी।'

ड्रग्स के खिलाफ लुधियाना (देहाती) पुलिस का कड़ा प्रहार: 62 मामलों में 85 तस्करों की प्रॉपर्टी अटैच, करोड़ों की अवैध संपत्ति कुर्क

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अगस्त। पंजाब सरकार और पुलिस महानिदेशक, पंजाब के दिशा-निर्देशों के तहत राज्य को नशा मुक्त बनाने और समाज विरोधी अनसहरों तथा नशा तस्करों पर नकेल कसने के लिए चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत पुलिस लाइन्स, लुधियाना (दिहाती) में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महानिरीक्षक पुलिस (आई.जी.पी.), लुधियाना रेंज, संदीप गोयल, आईपीएस और कप्तान पुलिस, लुधियाना (दिहाती), डॉ. अंकुर गुप्ता, आईपीएस ने की। बैठक में वी.सी./शफल्चु.डी.सी. कमेटियों के सदस्यों ने भाग

लिया और नशों के खिलाफ चल रही इस मुहिम की मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया।

बड़ी कार्रवाइयां और उपलब्धियां: प्रॉपर्टी अटैचमेंट: इस मुहिम के दौरान 62 मामलों में कुल 85 तस्करों की प्रॉपर्टी अटैच करने की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 67 मामलों में 89 तस्करों की प्रॉपर्टी अटैच करने के लिए संबंधित प्राधिकारी को संस्तुति भेजी गई है, जिसकी कुल कीमत 29,31,67,732 रुपये है।

गिरफ्तारी और बरामदगी: पुलिस ने कुल 1726 मुकदमे दर्ज करके 2322 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुख्य बरामदगी सूची: हेरोइन: 22 किलो 782 ग्राम 673 मिलीग्राम अफीम: 8 किलो 613 ग्राम भुक्की चूरा पोस्त: 32 क्विंटल 32 किलो 415 ग्राम

अन्य सामग्री: 570 ग्राम गांजा, 115 ग्राम सुल्फा, 425 ग्राम चरस, 37208 कैप्सूल/गोलियां, 02 नशीले टीके, 05 ग्राम आइस, 22 किलो 800 ग्राम अफीम के पौधे 22 किलो 800 ग्राम,और 21,03,380 रुपये ड्रग मनी बरामद की गई है।

हथियार और कारतूस: पुलिस ने .32 बोर की 6 पिस्तौल, .30 बोर की 1, .315 बोर की 1, H9 एम.एम. सर्विस पिस्तौल, 25 जिंदा कारतूस और 1 मैगजीन भी बरामद की है।

यमन और सोमालिया के पास हाईजैक हुए दो जहाजों के क्रू में 22 भारतीय शामिल

चंडीगढ़/यूटर्न/21 अगस्त। यमन और सोमालिया के तटों के पास अलग-अलग घटनाओं में हाईजैक किए गए दो कमर्शियल जहाजों के क्रू में कम से कम 22 भारतीय नागरिक शामिल थे, जिससे इस इलाके में समुद्री सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। शिपिंग मिनिस्ट्री के पास मौजूद जानकारी के मुताबिक, भारतीय क्रू मेंबर सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

पहली घटना 'MT Sibu 1' से जुड़ी है, जो इरिट्रिया के झंडे वाला तेल-उत्पाद टैंकर था और जिसमें 16 भारतीयों समेत 20 क्रू मेंबर सवार थे। इस जहाज को 20 अगस्त को अदन की खाड़ी में, यमन के तट से लगभग 30 नॉटिकल मील दूर, छह हथियारों से लैस समुद्री लुटेरों ने अपने कब्जे में ले लिया था। अधिकारियों के मुताबिक, लुटेरों ने जहाज पर कब्जा कर लिया और वे जहाज पर ही बने रहे। दूसरी घटना 17 अगस्त को सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास हुई, जहां कैमरून के झंडे वाले 'M/V LUTUF' को हाईजैक कर लिया गया। इस जहाज पर 10 सदस्यों का क्रू था, जिसमें छह भारतीय शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि आठ हथियारबंद लोग दो छोटी नावों का इस्तेमाल करके जहाज पर चढ़े और बाद में जहाज पर कब्जा कर लिया।

लुटेरों के चढ़ने के बाद क्रू शुरू में एक तय सुरक्षित जगह, या 'सिटाडेल' (citadel) में चला गया था। हालांकि, हमलावर वहां तक पहुंचने में कामयाब रहे और क्रू को ब्रिज (जहाज का कंट्रोल रूम) तक ले आए। अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बाद में जहाज को सोमालिया के नुगाल तट की ओर ले जाया गया।

ये ताजा घटनाएं अदन की खाड़ी और सोमालिया के आसपास के समुद्री इलाकों में समुद्री डकैती और सुरक्षा जोखिमों को लेकर फिर से पैदा हुई चिंताओं के बीच हुई हैं। यह इलाका मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष से जुड़े व्यापक समुद्री तनाव से भी प्रभावित रहा है। शिपिंग मिनिस्ट्री ने प्रभावित जहाजों से जुड़ी एजेंसियों से घटना की रिपोर्ट और रेगुलर अपडेट मांगे हैं। समुद्री ट्रैकिंग जानकारी से पता चला है कि टैंकर का कम्युनिकेशन और कंट्रोल खत्म होने से पहले एक अनधिकृत जहाज 'Sibu 1' के पास पहुंचा था। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर नजर रखने और भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं।

डीआईजी व एसएसपी ने जगराओं नशा मुक्ति केंद्र का किया औचक दौरा, व्यवस्थाओं पर जताई संतोष

'युद्ध नशे विरुद्ध' मुहिम के तहत मरीजों से की सीधी बातचीत, कहा- तौबा करने वालों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना लक्ष्य

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अगस्त। पंजाब सरकार की ओर से नशों के खिलाफ छेड़ी गई निर्णायक जंग 'युद्ध नशे विरुद्ध' के तहत पुलिस प्रशासन ने सख्ती और संवेदनशीलता का अनूठा उदाहरण पेश किया है। इसी कड़ी में डीआईजी लुधियाना रेंज संदीप गोयल और एसएसपी लुधियाना (ग्रामीण) डॉ. अंकुर गुप्ता ने जगरांव स्थित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ आम आदमी पार्टी की 'युद्ध नशे विरुद्ध' टीम के कोऑर्डिनेटर विक्रम थिंध, एसएमओ अमन शर्मा के साथ और और स्टाफ भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

दौरे के दौरान अधिकारियों ने केंद्र में भर्ती मरीजों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं, खान-पान व काउंसलिंग की गुणवत्ता का जायजा लिया। डीआईजी और एसएसपी ने केंद्र के भीतर साफ-सफाई और प्रबंधों की सराहना करते हुए कहा कि मरीजों की काउंसिलिंग और देखभाल जिस समर्पित भाव से की जा रही है, वह सराहनीय है। अधिकारियों ने नशा छोड़ चुके और इलाज करा रहे युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि पंजाब सरकार नशा पीड़ितों को अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित मानकर उनका इलाज और पुनर्वास करवा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जो युवा मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, सरकार उनके उज्जवल भविष्य और रोजगार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस मौके पर केंद्र का स्टाफ और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जगरांव अनाज मंडी के आड़तियों का फूटा गुस्सा, कॉटन मिल से बकाया भुगतान न मिलने पर पुलिस प्रशासन से लगाई गुहार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/21/अगस्त।जगरांव के शेरपुरा रोड स्थित एक कॉटन मिल से जुड़ा बकाया भुगतान का विवाद अब तूल पकड़ चुका है। अनाज मंडी के कई आड़तियों ने मिल से जुड़े पांच व्यक्तियों पर उनकी बकाया रकम न चुकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस सिलसिले में आड़तिया एसोसिएशन के प्रधान जगपाल सिंह की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी ग्रामीण डॉ. अनकूर गुप्ता से मुलाकात कर लिखित शिकायत सौंपी है और मामले की निष्पक्ष जांच कर रकम वापस दिलाने की मांग की है।

आड़तियों का कहना है कि विभिन्न हिस्सों से किसान मूंग की फसल बेचने अनाज मंडी आते हैं, जिसकी खरीद प्रक्रिया के दौरान संबंधित मिल द्वारा मूंग की फसल खरीदी गई थी। आड़तियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए किसानों को फसल का भुगतान अपने स्तर पर कर दिया, लेकिन मिल की ओर से उनका बकाया भुगतान न मिलने के कारण उनकी भारी-भरकम राशि फंस गई है, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा है। पीड़ितों ने मिल संचालकों से कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। आड़तियों का यह भी आरोप है कि मिल से जुड़े कुछ लोग अब जगरांव में नहीं रह रहे हैं, जिससे वसूली और भी मुश्किल हो गई है।

रामदेवः समर्थक से आलोचक तक

बाबा रामदेव का मोदी सरकार में कमियां निकालना कुछ अजीब और दिलचस्प है। सालों तक, रामदेव राजनीतिक व्यवस्था के सबसे बड़े समर्थकों में से एक रहे हैं। अब, अचानक, वही समर्थक यह सवाल करते दिख रहे हैं कि स्टेडियम की छत क्यों टपक रही है।

इसलिए, सरकारी भर्ती में कथित भ्रष्टाचार, परीक्षा में गड़बड़ियों और छात्रों की समस्याओं पर उनकी हालिया आलोचना आम राजनीतिक बयानों से कहीं ज्यादा अहम है। यह याद दिलाता है कि सत्ता के बड़े तंत्र में आराम से बैठे लोग भी कभी-कभी उन बातों पर ध्यान दे सकते हैं जिनकी शिकायत आम नागरिक सालों से कर रहे हैं। भारत के युवाओं के लिए सरकार का वादा हमेशा आकर्षक रहा है: नौकरियां, योग्यता, अवसर और एक नया भारत। हालांकि, हकीकत कभी-कभी कुछ अलग ही रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं विवादों में घिर जाती हैं, भर्ती प्रक्रियाओं पर सवाल उठते हैं और युवा उन सरकारी नौकरियों की तैयारी में सालों बिता देते हैं जो मानो किसी दूसरी ही दुनिया में मौजूद हों।

संदीप शर्मा, सम्पादक

और अब इस बातचीत में रामदेव भी शामिल हो गए हैं। इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है। सरकार ने अक्सर खुद को भारत की युवा और महत्वाकांक्षी आबादी का चैंपियन बताया है। लेकिन महत्वाकांक्षा तब काफी असहज हो जाती है जब महत्वाकांक्षी व्यक्ति तैयारी की किताबों के ढेर और पुराने हो चुके भर्ती कैलेंडर के साथ घर पर बैठा हो और उसके हाथ में कोई नियुक्ति पत्र न हो। रामदेव की आलोचना को रातों-रात विपक्षी खेमे में शामिल होने जैसा नहीं समझना चाहिए। ऐसा मानने की कोई खास वजह नहीं है कि योग अचानक 'राजनीतिक योग' में बदल गया है और रामदेव विचारधारा की सीमाओं को पार कर रहे हैं। लेकिन उनकी बातों में एक संदेश जरूर है।

जब कोई ऐसा व्यक्ति, जो पारंपरिक रूप से मोदी सरकार का समर्थक रहा हो, भ्रष्टाचार, परीक्षा में गड़बड़ियों और नाराज छात्रों के बारे में बात करने लगे, तो सरकार को इनकार करने और पलटवार करने वाले अपने पुराने राजनीतिक हथकंडों को आजमाने के बजाय उनकी बात सुननी चाहिए। बीजेपी ने कांग्रेस, क्षेत्रीय पार्टियों और लगभग हर विपक्षी नेता की आलोचना का सामना किया है। यह राजनीति में आम बात है। लेकिन उन लोगों की आलोचना अलग होती है जिन्हें कभी उसके बड़े समर्थक तंत्र का हिस्सा माना जाता था। इससे पता चलता है कि असंतोष पारंपरिक विपक्षी वोट बैंक से आगे बढ़ रहा है।

और यहीं असली समस्या है। युवा भारतीयों को शानदार भविष्य के बारे में राजनीतिक बातों में कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अगर उनके तत्काल भविष्य में कोई और परीक्षा रद्द होना, भर्ती में देरी या कोचिंग का बिल शामिल हो।

वे एक शानदार वर्तमान चाहते हैं। नौकरियां। वे निष्पक्ष परीक्षाएं चाहते हैं। वे ऐसे संस्थान चाहते हैं जो ठीक से काम करें। इसलिए, सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती शायद राहुल गांधी की अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस या विपक्ष का अगला नारा नहीं है। यह चुनौती शायद भारत का वह युवा हो सकता है जो अब बेसब्र हो रहा है—जिसने तालियां बजाना बंद कर दिया है और सवाल पूछना शुरू कर दिया है। हो सकता है कि रामदेव अभी भी योग मैट पर ही हों। लेकिन शायद राजनीतिक माहौल इतना बदल चुका है कि अब 'चीयरलीडर्स' को भी हवा का रुख महसूस होने लगा है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार। Contact - +91 9814295372